शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 174 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 24 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भाजपा ने दुनियाभर में भारतीय संस्कृति को बढ़ाया : अमित शाह — पेज 2

जापान के साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस का विशेष संबंध था : मुख्यमंत्री — पेज 3

महिलाओं-बच्चों के सशक्तिकरण से ही देश-प्रदेश होगा मजबूत : मुख्यमंत्री — पेज 5

एक दिवसीय के महान खिलाड़ी हैं विराट कोहली : सौरव गांगुली — पेज 7

बिगड़ने जा रहा मौसम

असम समेत 14 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट

आंधी-बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी

गुवाहाटी / नई दिल्ली। उत्तर भारत में लोगों को कड़ाके की ठंड से थोड़ी राहत जरूर मिली है। मगर पश्चिमी विक्षोभ की वजह से मौसम का बिगड़ना जारी रहेगा। उत्तरी पाकिस्तान के ऊपर एक पश्चिमी विक्षोभ साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। वहीं दूसरा साइक्लोनिक सर्कुलेशन दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश के ऊपर बना हुआ है। इस वजह से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। वहीं पूर्वी बांग्लादेश और उसके आसपास के क्षेत्रों में चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। इधर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने असम के लिए मौसम संबंधी परामर्श जारी किया है, जिसमें राज्य के अलग-अलग इलाकों में घने कोहरे और गरज के साथ बारिश तथा बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है। यह परामर्श पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए व्यापक मौसम पूर्वानुमान का हिस्सा है, जिसमें अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा शामिल हैं। पूर्वानुमान के अनुसार, असम में अलग-अलग स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है, तथा अलग-अलग स्थानों पर हल्का से मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में घने कोहरे का भी अनुमान है, जिससे दृश्यता काफी कम हो सकती है और दैनिक आवागमन तथा यात्रा योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं। कोहरे के *-शेष पृष्ठ दो पर*

सीएम ने खाद्य और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में निवेश के लिए कंपनियों को आमंत्रित किया

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा अपने जापान दौरे के दौरान कामेडा सेइका के सीईओ लेख राज जुनेजा के साथ अत्यंत उपयोगी चर्चा की। उन्होंने जुनेजा को असम के तेजी से बढ़ते खाद्य क्षेत्र में निवेश के अवसरों को तलाशने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में इस उद्योग के लिए एक सुसंगठित पारिस्थितिकी तंत्र पहले से मौजूद है, जिसमें विशेष खाद्य पार्क और प्रमुख कंपनियां अपने संचालन कर रही हैं। उन्होंने

कहा कि इस गति को आगे बढ़ाने और अन्य कंपनियों को जोड़ने के लिए हम तत्पर हैं। साथ ही उन्होंने जुनेजा को 2025 का प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को जापान स्थित माइक्रोन मेमोरी सुविधा के दौरे के दौरान कंपनी के उपाध्यक्ष जोशुआ ली से भी मुलाकात की। उन्होंने माइक्रोन को असम की सेमीकंडक्टर विकास गाथा का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया। *-शेष पृष्ठ दो पर*

असम विस का बजट सत्र 17 फरवरी से

गुवाहाटी। असम विधानसभा का बजट सत्र 17 फरवरी से 25 मार्च तक चलेगा, एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया। अधिकारी ने बताया कि अपनी तरह की पहली पहल के तहत सत्र का उद्घाटन दिवस कोकराझाड़ में होगा। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य उद्घाटन भाषण देंगे। एक दिन के अवकाश के बाद, शेष सत्र 19 फरवरी से असम विस परिसर में आयोजित किया जाएगा। वित्त मंत्री अजंता नियोग 10 मार्च को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का बजट पेश करेंगे। अधिकारी ने बताया कि सत्र के दौरान कई विधेयक, रिपोर्ट और प्रस्ताव पेश किए जाने की संभावना है।

कामाख्या देबोत्तर बोर्ड मामले में ईडी की छापेमारी, एफडी, संपत्ति के दस्तावेज जब्त

गुवाहाटी। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को कहा कि उसने असम के प्रतिष्ठित कामाख्या मंदिर के पूर्ववर्ती देबोत्तर बोर्ड में सात करोड़ रुपए से अधिक की कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी धन शोधन जांच में छापेमारी की है। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अब भंग हो चुके कामाख्या देवबटर बोर्ड के पूर्व प्रशासक रिजु प्रसाद शर्मा, दिवंगत धीरज शर्मा और नवकांत शर्मा तथा बोर्ड के कुछ पूर्व अधिकारियों के आवासीय परिसरों पर

बुधवार को छापे मारे गए। धन शोधन का यह मामला असम पुलिस सीआईडी की एक प्राथमिकी से उपजा है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 2003-2019 के बीच बोर्ड (कामाख्या मंदिर के प्रबंधन के लिए) के अधिकारियों द्वारा 7.62 करोड़ रुपए की धनराशि का *दुरुपयोग* किया गया था। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के फलस्वरूप 2015 में बोर्ड को भंग कर दिया गया। ईडी ने आरोप लगाया कि गुवाहाटी शहर में स्थित मां *-शेष पृष्ठ दो पर*

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कोई मनुष्य अगर बड़ा बनना चाहता है, तो छोटे से छोटा काम भी करे, क्योंकि स्वावलंबी ही श्रेष्ठ होते हैं।

- ईश्वर चंद्र विद्यासागर

शिक्षा मंत्री ने हैदराबाद में रोड शो का उद्घाटन किया

हैदराबाद/गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार ने फिक्की के सहयोग से हैदराबाद में आज *एडवांटेज असम 2.0* रोड शो आयोजित किया। यह रोड शो 25-26 फरवरी को गुवाहाटी में होने वाले *एडवांटेज असम 2.0-इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सम्मिट 2025* की तैयारियों के तहत आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य असम को निवेश और व्यापार का प्रमुख केंद्र बनाना है। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने असम की आर्थिक प्रगति और निवेश-अनुकूल नीतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने असम को एक *-शेष पृष्ठ दो पर*

बीटीआर सरकार मनाएगा 5वां बोड़ो शांति समझौता दिवस

कोकराझाड़। बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) 27 और 28 जनवरी, 2025 को कोकराझाड़ में दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ बोड़ो शांति समझौते के 5वें भव्य समारोह का जश्न मनाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वा शर्मा 28 जनवरी को ग्रीन फील्ड, कोकराझाड़ में मुख्य अतिथि के रूप में इस महत्वपूर्ण अवसर की शोभा बढ़ाएंगे। इस कार्यक्रम में बीटीआर के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) प्रमोद बोरो के साथ-साथ अन्य प्रमुख नेता, गणमान्य व्यक्ति, सरकारी अधिकारी और विशिष्ट अतिथि भी मौजूद रहेंगे। समारोह के हिस्से के रूप में, 27 जनवरी को कोकराझाड़ के बोड़ोफा सांस्कृतिक

परिसर में बोड़ोलैंड अचीवर्स अवार्ड समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में कुल 85 विभागीय और 56 गैर-विभागीय अचीवर्स को सम्मानित किया जाएगा। बोड़ो समझौता दिवस समारोह के एक अभिन्न अंग के रूप में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य उन व्यक्तियों को पहचानना और सम्मानित करना है जिन्होंने बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र की प्रगति और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस समारोह का उद्देश्य ऐतिहासिक बोड़ो शांति समझौते का स्मरण करना है, जिस पर 2020 में हस्ताक्षर किए गए थे, जो बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में स्थायी शांति और विकास लेकर आया। यह समझौता लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को संबोधित करने और क्षेत्र में सद्भाव और समृद्धि लाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

पत्रकारों के लिए बेहतर माहौल बनाने के लिए एनयूजेआई तेज संघर्ष करेगी : रास बिहारी

नई दिल्ली (हि.स.)। देश के सबसे बड़े पत्रकार संगठन नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स इंडिया का 53वां स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से दिल्ली के जंतर-मंतर स्थित केंद्रीय कार्यालय में मनाया गया। इस मौके पर एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी ने आपातकाल के दौरान संगठन की भूमिका पर विस्तृत प्रकाश डाला। रास बिहारी ने कहा कि पत्रकारों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए हम लगातार सरकार से मांग करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी प्रमुख मांगों में पत्रकार सुरक्षा अधिनियम, मीडिया आयोग का गठन, पत्रकारों के राष्ट्रीय रजिस्टर प्रमुख है। एनयूजेआई और इससे संबंद्ध राज्य इकाइयां पत्रकारिता में नई प्रौद्योगिकियों की चुनौतियों का सामना *-शेष पृष्ठ दो पर*

न्यूज गैलरी

सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गुरुवार को बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर मोदी सरकार को घेरा। पार्टी नेता जयराम रमेश ने बताया कि मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण लगातार बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई ने निम्न और मध्यम *-शेष पृष्ठ दो पर*

त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने वालों का आंकड़ा 10 करोड़ के पार

महाकुंभनगर। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित किए जा रहे महाकुंभ में अब तक 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालु गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदी के त्रिवेणी संगम में डुबकी लगा चुके हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मिली जानकारी के अनुसार, 10 करोड़ श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का यह आंकड़ा गुरुवार दोपहर 12 बजे पार हो गया। सरकार ने इस बात पर प्रकाश डाला कि श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, प्रतिदिन संगम में डुबकी लगाने और आध्यात्मिक पुण्य के लिए लाखों लोग पहुंच रहे हैं। स्नान पर्वों के दौरान यह संख्या करोड़ों में पहुंच जाती है।

उत्तर प्रदेश सरकार का अनुमान है कि इस बार महाकुंभ में 45 करोड़ से अधिक लोग डुबकी लगाएंगे। महाकुंभ की शुरुआत में ही 10 करोड़ का आंकड़ा पार कर जाना सरकार के सटीक अनुमान की *-शेष पृष्ठ दो पर*

रहस्यमयी बीमारी कश्मीर में एक पूरा गांव कंटेनमेंट जोन घोषित

राजोरी। बड्डाल को कंटेनमेंट जोन घोषित करने के बाद प्रशासन ने वहां से लोगों को स्थानांतरित करना शुरू कर दिया है। बुधवार देर शाम को गांव से 120 लोगों को राजोरी के नर्सिंग कॉलेज की इमारत में बनाए गए क्वारंटीन सेंटर में भेजा गया। राजोरी भेजे गए लोगों में मृतकों के परिवारों के निकट संबंधी हैं। बड्डाल गांव में मोहम्मद फजल, मोहम्मद असलम और मोहम्मद रफीक के परिवारों से 13 बच्चों सहित 17 लोगों की रहस्यमय *-शेष पृष्ठ दो पर*

वक्फ संशोधन विधेयक बजट सत्र में होगा पेश, जेपीसी सौंपेगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक पर बनी जेपीसी अपनी रिपोर्ट 27 या 28 जनवरी को लोकसभा स्पीकर को सौंप सकती है। लोकसभा स्पीकर की मंजूरी के बाद रिपोर्ट को आगामी बजट सत्र में लोकसभा में पेश किया जाएगा। वक्फ संशोधन विधेयक पर जेपीसी रिपोर्ट के मसौदे को अंतिम देने के लिए जेपीसी की लगातार दो दिन बैठक बुलाई गई है। जेपीसी की ये बैठक कल शुक्रवार को सुबह 11 बजे शुरू होगी। समिति की बैठक लगातार शुक्रवार और शनिवार (कल और परसों) *-शेष पृष्ठ दो पर*

भारत में तेजी से बढ़ रहे मतदाता 99.1 करोड़ हुई वोटर्स की संख्या

नई दिल्ली। भारत में मतदाताओं की संख्या अब 99.1 करोड़ हो गई है, जो पिछले वर्ष लोकसभा चुनाव के समय 96.88 करोड़ थी। इसकी जानकारी चुनाव आयोग के आंकड़ों में दी गई है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस से पहले जारी एक बयान में, चुनाव आयोग ने बुधवार को कहा कि मतदाता सूची युवा और लिंग-संतुलित दिखती है, जिसमें 18-29 आयु वर्ग के 21.7 करोड़ मतदाता हैं और मतदाता लिंग अनुपात 2024 में 948 से छह अंक बढ़कर 2025 में 954 हो गया है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर वर्ष 25 जनवरी को निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसकी स्थापना 1950 में इसी दिन हुई थी। 7 जनवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए *-शेष पृष्ठ दो पर*

बर्थराइट सिटीजनशिप : 20 फरवरी से पहले डिलीवरी कराने के लिए अस्पतालों में लगी भीड़

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ले ली है। 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेते ही उन्होंने कई महत्वपूर्ण फैसले किए। चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने जो भी ऐलान किए थे, उसे अब वो कुछ हद तक पूरा करते हुए नजर आ रहे हैं। लेकिन ट्रंप के एक फैसले से प्रेग्नेंट महिलाएं अस्पतालों में पहुंचने लगी हैं। ये महिलाएं समय से पहले डीलिवरी के लिए अस्पताल में फॉर्म साइ कर रही हैं। ट्रंप के नए आदेश के अुसार जो बच्चे 20 फरवरी के बाद जन्म लेंगे उन्हें अमेरिका की जन्मजात नागरिकता नहीं मिलेगी। इसी के चलते

कई परिवार चाहते हैं कि उनके बच्चे 20 फरवरी से पहले जन्म ले और बर्थराइट सिटिजनशिप हासिल करें। ट्रंप ने शपथ लेने के बाद अवैध प्रवासियों की एंट्री बैन करने के अलावा जन्मजात नागरिकता (बर्थराइट सिटीजनशिप) को खत्म करने को लेकर भी एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किया है। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर वह आदेश होते हैं, जिन्हें राष्ट्रपति जारी करते हैं। उनका यह आदेश कानून बन जाता है जिसे कांग्रेस की मंजूरी की जरूरत नहीं होती। कांग्रेस इन्हें पलट नहीं सकती। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, न्यू जर्सी के *-शेष पृष्ठ दो पर*

डीआरडीओ सुरक्षा गार्ड का कु-कृत्य

पत्नी के टुकड़े-टुकड़े कर कुकर में उबाला, बची हड्डियों को मूसल से कूटा

नई दिल्ली। हैदराबाद में एक शख्स ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। इतना ही नहीं, उन्होंने शव के टुकड़े-टुकड़े कर प्रेशर कुकर में उबाला। उसने अपनी भयावह करतूत को

छिपाने के लिए हर पैंतरा अपनाया। उसने अपनी पत्नी की लापता होने की अफवाह भी फैलाई। आरोपी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करता है। उसकी उम्र 45 वर्ष बताई जा रही है। वह पूर्व सैनिक भी रह चुका है और उसका नाम गुरु मूर्ति बताया जा रहा है। उसने अपना अपराध कबूल कर लिया है। *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भाजपा ने दुनियाभर में भारतीय संस्कृति को बढ़ाया : अमित शाह

अहमदाबाद (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार 10 साल से सत्ता में है और 10 साल में इस सरकार ने वो काम पूरा किए हैं जो हमारी विचारधारा और दर्शन के कारण कई सालों से अटके थे। सरकार ने साढ़े तीन साल के दौरान पूरे भारत के धर्मस्थलों से चुराई गई तमाम मूर्तियों को विदेश से वापस लाने का काम किया है। भाजपा ने दुनियाभर में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कुछ स्थानों पर हिंदू हूं बोलना मुश्किल था, लेकिन आज हर कोई गर्व से बोलता है कि मै हिंदू हूं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को यहां स्थानीय जीएमडीसी मैदान पर आयोजित हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले का उद्घाटन के बाद संबोधित कर रहे थे। शाह इस समय तीन दिन के गुजरात दौरे पर हैं। हिंदू मेले में 250 से अधिक सेवा संगठनों के स्टॉल लगे हैं। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री शाह ने नेताजी सुभाष चंद्रबोस को उनकी जयंती पर नमन करते हुए कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने अपना पूरा जीवन स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के प्रयास से पिछले 350 वर्ष से अधिक समय से भारतीय धार्मिक स्थलों से चुराई गई तमाम मूर्तियों को विदेश से वापस लाने काम किया है। भाजपा ने दुनियाभर में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने का काम किया है। उन्होंने सभी से प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में स्नान करने के लिए गुजरातवासियों और सभी युवाओं और किशोरों से जाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में 144 साल बाद फिर से महाकुंभ लगा है। महाकुंभ स्नान कई लोगों के भाग्य में नहीं होता है। अगर महाकुंभ आपके भाग्य में है तो आपको जरूर जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में जाने वाला कोई पांच सितारा होटल में नहीं रुकता, वे ठंड में टेंट में रहते हैं। कुंभ में कोई भी नाम, धर्म या जाति नहीं पूछता। स्नान के दिन लोग अपना चेहरा दिखाए बिना गंगा में डुबकी लगाते हैं। मैं नौ कुंभ में जा चुका हूं और अब 27 तारीख को महाकुंभ में जा रहा हूं। यह अब तक का मेरा 10वां कुंभ होगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि इस आध्यात्मिक मेले के आयोजकों ने एक मंत्र पर दो सौ से अधिक सेवा संगठनों को लाने का काम किया है। इसके गुणवंतभाई और घनश्यामभाई की पूरी टीम को हृदय से बधाई देता हूं। उनके इस प्रयास से पूरे हिंदू समाज की ताकत को समाज के सामने रखा है।

हिंदू समाज का शक्तिशाली होना संहारक नहीं, संरक्षक है : भैयाजी जोशी

अहमदाबाद (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश जोशी उपाख्य भैयाजी जोशी ने गुरुवार को कहा कि भारत के हिंदू समाज का शक्तिशाली होना संहारक नहीं, संरक्षक है। दुर्बलों की रक्षा करने वाला है, असहाय लोगों की सहायता देने वाला है। भैयाजी जोशी हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान की ओर से आयोजित हिंदू आध्यात्मिक सेवा मेला के उद्घाटन समारोह के एक सत्र को संबोधित कर रहे थे। 23 से 26 जनवरी तक चलने वाले इस मेले का उद्घाटन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने किया। अहमदाबाद के हेलमेट सर्किल के समीप गुजरात विश्वविद्यालय के मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में शाह और भैयाजी जोशी के अलावा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, चाणक्य सीरियल के चंद्रप्रकाश द्विवेदी समेत कई गणमान्य अतिथि-संत मौजूद रहे। भैयाजी जोशी ने कहा कि भारत के अलावा विश्व मे ऐसा कोई देश नहीं है जो सारी दुनिया को साथ लेकर चले। यह हमारी आध्यात्म की कल्पना है, वसुधैव कुटुंबकम की हमारी कल्पना है। उन्होंने कहा कि शांति का मार्ग समन्वय से होकर जाता है। सबको साथ लेकर चलने के सिद्धांत वाला ही शांति स्थापित करता है। सभी संप्रदाय अपनी-अपनी बातों के अनुसार चल सकते हैं, लेकिन अन्य को चलने की स्वतंत्रता नहीं देंगे, तो शांति कहां से रहेगी। विश्व पर उसी का प्रभाव रहेगा जो सभी को साथ लेकर चलेगा, वही विश्व का संचालन कर सकता है। विश्व को न तो भौतिक संपदा वाला प्रभावित कर पाएगा, ना ही पर्याप्त संख्या बल वाला उसको संचालित कर सकता है। भैयाजी ने कहा कि भारत जैसे देश में हमारा जन्म हुआ है, यह पुण्यभूमि है, यह देवताओं की भूमि है, यह संत और संन्यासियों की भूमि है। यह त्याग और समर्पण की भूमि है। हम सभी लोग स्वतंत्र देश में जन्म लिए हुए लोग हैं। हमारी पुरानी पीढ़ी ने तो अंग्रेजों की गुलामी का अनुभव किया है। हम सभी को स्वतंत्र देश के नागरिक कहलाने का सौभाग्य मिला है। देश में एक परिवर्तन का चक्र प्रारंभ हुआ है। वर्तमान में हम विश्व के मंच पर अपने देश का सम्मान होता देख रहे हैं। इसके साक्षी होने का भाग्य हम सभी को मिला है। संतों-महापुरुषों की हम सबसे अपेक्षा है कि हम इस परिवर्तन के मूक साक्षी नहीं बनें, बल्कि इस परिवर्तन को लाने के लिए सक्रिय सहयोगी बनें।

बांग्लादेश के पिलखाना नरसंहार में शामिल अर्ध सैन्य बल के 300 सदस्यों की रिहाई शुरू

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश के बहुचर्चित पिलखाना नरसंहार में 16 साल तक जेल में रहने वाले अर्ध सैन्य बल बांग्लादेश राइफल्स (बीडीआर) के 300 से अधिक सदस्यों (कैदियों) की जमानत पर रिहाई शुरू हो गई। इनको रिहा करने की प्रक्रिया आज सुबह केरानीगंज के ढाका सेंट्रल जेल और गाजीपुर के काशिमपुर सेंट्रल जेल से शुरू हुई। 25 और 26 फरवरी 2009 को ढाका में बांग्लादेश राइफल्स की एक इकाई ने विद्रोह किया था। बांग्लादेश के सैन्य विद्रोह के इतिहास में यह घटना पिलखाना त्रासदी और पिलखाना नरसंहार के रूप में दर्ज है है। ढाका ट्रिब्यून की खबर में यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश (यूएनबी) के हवाले से कहा गया है कि 178 बीडीआर सदस्यों को ढाका सेंट्रल जेल और 126 को काशिमपुर सेंट्रल जेल से रिहा किया जाना तय है। इनको रविवार को ढाका स्पेशल ट्रिब्यूनल-1 के न्यायाधीश एमडी इब्राहिम मिया ने जमानत प्रदान की थी। ढाका सेंट्रल जेल प्राधिकरण ने कहा कि जमानत के लिए जरूरी कागजात बुधवार को दोनों जेलों में भेज दिए गए थे। आज ढाका सेंट्रल जेल से 178 कैदियों को रिहा किया जा रहा है। काशिमपुर सेंट्रल जेल के अधिकारियों ने कहा कि बुधवार/गुरुवार की दरमियानी रात एक बजे तक 38 कैदियों को रिहा कर दिया गया।

असम के शिक्षा क्षेत्र में क्रांति की शुरुआत : सीएम

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य के शिक्षा क्षेत्र में क्रांति की शुरुआत हो चुकी है। सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर निजी स्कूलों के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों की नियुक्ति, लैब और आधुनिक विषयों की शुरुआत सहित कई सुधार किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यह बातें पाटीदरंग विद्यापीठ स्कूल के नवीनीकरण कार्यों का हवाला देते हुए आज सोशल मीडिया के जरिए कहीं।

अमेरिका में अवैध प्रवासियों पर बड़ी चोट संसद ने लैकेन रिले विधेयक को मंजूरी दी

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका की संसद (कांग्रेस) ने बुधवार को लैकेन रिले विधेयक को अंतिम मंजूरी प्रदान कर दी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर के बाद यह कानून का रूप लेगा। इस कानून का एकमात्र मकसद अवैध प्रवासियों पर अंकुश लगाना है। इससे भारत समेत कई देशों के प्रवासी प्रभावित होंगे। माना जाता है कि अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों में लगभग 75,000 भारतीय हैं। ओरेगन कैपिटल क्रॉनिकल समाचार पत्र की खबर के अनुसार, डेमोक्रेट्स के बड़े गुट ने रिपब्लिकन के सहयोग से इसे 263-156 मतों से पारित किया। उल्लेखनीय है कि डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव अभियान के दौरान इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने शपथ ग्रहण के बाद अपने पहले संबोधन में कहा था कि अवैध रूप से आए लोगों को जो जहां से आया है, वहीं वापस भेज दिया जाएगा। इस विधेयक का नाम 22 वर्षीय जॉर्जिया नर्सिंग छात्र लैकेन रिले के नाम पर रखा गया है। लैकेन की पिछले साल वेनेजुएला में हत्या कर दी गई थी। आव्रजन अधिकारियों ने लैकेन की हत्या में दोषी ठहराए गए व्यक्ति के बारे में कहा था कि उसने उचित अनुमति के बिना प्रवेश किया था। उस पर संयुक्त राज्य अमेरिका में दुकानों में चोरी का आरोप भी लगा था। अलबामा से सीनेटर केटी ब्रिट ने कहा है कि मुझे गर्व है कि लैकेन रिले अधिनियम पहला ऐतिहासिक विधेयक होगा जिस पर राष्ट्रपति ट्रंप हस्ताक्षर करके कानून बनाएंगे। यह इस बात का भी सबूत है कि राष्ट्रपति ट्रंप और रिपब्लिकन वादों को पूरा करने के लिए तैयार हैं। अमेरिका में तीन दशक की राजनीति में इसे सबसे महत्वपूर्ण विधेयक माना जा रहा है।

राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से रेलवे विभाग के कर्मचारी की मौत

मोरीगांव (हिंस)। जागीरोड के आजुरी रेलवे स्टेशन पर एक दुखद घटना में आज रेलवे विभाग में काम करने वाले व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना हुई। रेलवे विभाग में काम करने वाले एक कर्मचारी की अप राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान गोविंद प्रसाद के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह भारी कुहासा के बीच आजुरी रेलवे स्टेशन पर कर्मरत अवस्था में गोविंद प्रसाद राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया।

पृष्ठ एक का शेष

असम समेत 14...

अलावा असम में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की भी संभावना है, जिससे बाहरी गतिविधियों और बिजली के बुनियादी ढांचे को खतरा हो सकता है। निवासियों को सावधानी बरतने तथा कम दृश्यता के दौरान या जब तूफान का पूर्वानुमान हो, यात्रा करने से बचने की सलाह दी जाती है। क्षेत्र में अधिकतम और न्यूनतम तापमान अपेक्षाकृत स्थिर रहने की उम्मीद है, अधिकतम तापमान 25 डिग्री से. के आसपास और न्यूनतम तापमान लगभग 15 डिग्री से. तक गिरने की संभावना है। हालांकि, सुबह के समय कोहरा और धुंध तथा बाद में आंशिक बादल छाए रहने से दिन का तापमान वास्तविक तापमान से अधिक ठंडा महसूस हो सकता है। अरुणाचल प्रदेश: हल्की से मध्यम बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है। गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की भी संभावना है। मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: शुष्क मौसम रहने की संभावना है, तथा अलग-अलग स्थानों पर हल्का से मध्यम कोहरा छा सकता है। उधर घने कोहरे के कारण गुरुवार, 23 जनवरी को लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एलजीबीआईए) पर उड़ान संचालन बाधित रहा, जिससे यात्रा में काफी व्यवधान हुआ। अडानी समूह द्वारा नियंत्रित इस सुविधा ने बताया कि खराब मौसम की वजह से 18 उड़ानें देरी से चल रही हैं। हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने कहा कि गुरुवार सुबह से खराब मौसम के कारण 18 उड़ानें प्रभावित हुई हैं। हवाई अड्डे ने उड़ानों के विशिष्ट विवरण के बारे में चुप्पी साध रखी है। हवाई अड्डे के प्रबंधन ने फंसे हुए यात्रियों की सहायता के लिए टर्मिनल भवनों में कर्मियों को तुरंत तैनात किया। बयान में जोर दिया गया कि हमारी प्राथमिकता यात्रियों की सुरक्षा और आराम है, अतिरिक्त बैठने की व्यवस्था और पानी के लिए प्रावधान पर जोर दिया गया। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे हवाई अड्डे पर जाने से पहले अपनी संबंधित एयरलाइनों से संपर्क करें और उड़ान कार्यक्रम की पुष्टि करें। अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड द्वारा प्रबंधित एलजीबीआई एयरपोर्ट चुनौतीपूर्ण मौसम संबंधी परिस्थितियों से जूझ रहा है। वहीं कल उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में घने कोहरे की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश, असम में बारिश और बिजली कड़कने की चेतावनी दी गई है। हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में शीत लहर की स्थिति बनी रहेगी।

सीएम ने खाद्य और ...

उन्होंने कहा कि जागीरोड का इलेक्ट्रॉनिक टाउनशिप एक वैश्विक सेमीकंडक्टर केंद्र बनने की दहलीज पर है और माइक्रोन जैसी कंपनियां, जो फैब प्रौद्योगिकी में अग्रणी हैं, हमारे सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला को अत्यधिक मजबूती प्रदान कर सकती हैं। उधर मुख्यमंत्री ने अपनी जापान की यात्रा के दौरान वहां के न्याय मंत्री कोमुरा मासाहिरो से मुलाकात की। मुख्यमंत्री संभावित निवेशकों, उद्यमियों और व्यापार जगत के नेताओं के समक्ष राज्य के *एडवांटेज असम 2* के विजन को प्रस्तुत करने के लिए 19 जनवरी को दक्षिण कोरिया और जापान की पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। अपने माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान के न्याय राज्य मंत्री महामहिम कोमुरा मासाहिरो से मिलना सौभाग्य की बात थी। हमने भारत और जापान को जोड़ने वाले साझा मूल्यों और लोकाचारों और विशेष रूप से बुद्ध के आदर्शों के बारे में एक व्यावहारिक बातचीत की, जो हमारे दो समाजों के बीच एक आध्यात्मिक पुल का निर्माण करते हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने जापानी कंपनियों को समर्पित एक औद्योगिक पार्क स्थापित करने की असम सरकार की योजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमने इस बात पर भी विस्तार से चर्चा की कि किस प्रकार असम के प्रतिभाशाली युवा हमारे देशों के बीच चल रहे कार्यक्रमों के माध्यम से जापान में कुशल कार्यबल की मांग को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने गुरुवार को जापान के भूमि, बुनियादी ढांचा, परिवहन और पर्यटन राज्य मंत्री हेफुरूकावा यासुशी से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि हमने जापान और असम राज्य के बीच पर्यटन को बढ़ावा देने तथा इससे हमारे देशों के बीच समृद्धि लाने और संबंधों को मजबूत करने की क्षमता पर विस्तार से चर्चा की। असम की पर्यटन संभावनाओं पर शर्मा ने कहा कि चराइदेउ मोइदम से लेकर काजीरंगा तक तथा हमारे बागानों और गोल्फ कोर्स तक, मैंने असम की अप्रयुक्त पर्यटन संभावनाओं और जापानी पर्यटकों के लिए हमारे द्वारा प्रस्तुत किए जा सकने वाले विविध यात्रा कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला।

कामाख्या देबोत्तर बोर्ड ...

कामाख्या मंदिर के धन को *हड़पने* के लिए इन पूर्व अधिकारियों ने बिजली के सामान, सीमेंट, सफाई के रसायन, जनशक्ति और अन्य सेवाओं की आपूर्ति के लिए *फर्जी संस्थाओं* को काम पर रखा था। इसके बाद धनराशि को अधिकारियों के स्वामित्व वाली संस्थाओं में स्थानांतरित कर दिया गया या नकद निकाल लिया गया। एजेंसी ने कहा कि अधिकारियों ने (माल का) मूल्य 50,000 रुपए से कम रखने के लिए शरारतपूर्ण तरीके से बिलों को विभाजित किया, ताकि कामरूप के उपायुक्त की अनुमति के बिना बड़ी राशि के व्यय पर रोक लगाने वाले अदालती निर्देश का अनुपालन किया जा सके। ईडी ने कहा कि उसने छापेमारी के दौरान पूर्ववर्ती बोर्ड के अधिकारियों और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर 1.82 करोड़ रुपए की बीमा पॉलिसियां जब्त कीं। इसमें कहा गया है कि बोर्ड के अधिकारियों और उनके परिवार के सदस्यों की अचल संपत्तियों और व्यावसायिक संस्थाओं से संबंधित दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं, इसके अलावा संबंधित व्यक्तियों के 27 बैंक खाते भी बरामद किए गए हैं।

शिक्षा मंत्री ने ...

तेजी से विकसित होते हुए राज्य के रूप में प्रस्तुत किया और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि असम ने संचार, आधारभूत संरचना और औद्योगिक विकास में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह एक नया, आकांक्षी और तेजी से बढ़ता हुआ असम है। असम के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. बी. कल्याण चक्रवर्ती और प्रमुख सचिव (आईटी) केएस गोपीनाथ नारायण ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने निवेशकों को राज्य की नीतियों, प्रौद्योगिकी, पर्यटन और आधारभूत संरचना में निवेश के अवसरों के बारे में जानकारी दी। डॉ. पेगू ने शिक्षा क्षेत्र में तकनीक के उपयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में एआई-आधारित स्कूल प्रबंधन प्रणाली लागू की गई है। उन्होंने स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में हुई प्रगति, जैसे 23 मेडिकल कॉलेजों की स्थापना और नए तकनीकी विश्वविद्यालयों की शुरुआत का जिक्र किया। इस मौके पर असम के रणनीतिक लाभ, जैसे कि दक्षिण पूर्व एशिया के साथ इसकी निकटता, प्रचूर प्राकृतिक संसाधन और मजबूत कनेक्टिविटी पर जोर दिया गया। असम सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रमुख पहल, जैसे टाटा ग्रुप की सेमीकंडक्टर यूनिट और एक लाख करोड़ रुपए के आधारभूत संरचना निवेश की भी चर्चा हुई। एडवांटेज असम 2.0 का उद्देश्य असम को भारत का आर्थिक केंद्र और दक्षिण पूर्व एशिया के लिए गेटवे बनाना है।

त्रिवेणी संगम में ...

ओर संकेत दे रहा है। बयान में कहा गया कि अकेले गुरुवार को ही दोपहर 12 बजे तक 30 लाख लोगों ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई जिसमें 10 लाख कल्पवासी और विदेश से आए श्रद्धालु तथा साधु-संत शामिल हैं। 23 जनवरी तक संगम में स्नान करने वाले कुल श्रद्धालुओं की संख्या 10 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। सबसे अधिक करीब 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के दौरान डुबकी लगाई, जबकि पौष पूर्णिमा के दौरान 1.7 करोड़ से अधिक लोगों ने स्नान किया।

रहस्यमयी बीमारी : कश्मीर ...

बीमारी के चलते मौत हो गई थी। बच्चों को अस्पताल ले जाने से लेकर उन्हें दफनाने तक कई लोग पीड़ित परिवारों के संपर्क में आए हैं। प्रशासन ने ऐसे लोगों को एहतियातन गांव से दूर कर दिया है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग यह कह चुका है कि मौतें किसी वायरस के कारण नहीं हुई हैं, इसलिए लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि राजोरी के क्वारंटीन सेंटर के बाहर तारबंदी की गई है। कॉलेज के भवन को क्वारंटीन सेंटर घोषित करके उसकी कड़ी सुरक्षा कर तारबंदी कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि वीरवार को भी लोगों को क्वारंटीन सेंटर भेजा जाएगा। सभी लोगों को स्क्रीनिंग के बाद ही क्वारंटीन सेंटर भेजा जा रहा है। गुज्जत मंडी स्थित बीएससी नर्सिंग कॉलेज में लोगों के ठहरने का इंतजाम किया गया है। बड्डाल को कंटेनमेंट जोन घोषित करने के बाद लोगों को स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी राजोरी में शिफ्ट किया गया। बड्डाल में प्रशासन ने बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही गांव को तीन जोन में बांट दिया गया है। मंगलवार को जिला मजिस्ट्रेट राजोरी अभिषेक शर्मा ने क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन घोषित किया था। बुधवार से स्वास्थ्य अधिकारियों सहित प्रशासनिक अमले ने आदेशों पर अमल शुरू कर दिया है। बड्डाल में प्रभावित परिवारों और करीबी संपर्कों की निगरानी के लिए टीमें तैनात की गई हैं। मजिस्ट्रेट के आदेशानुसार प्रथम कंटेनमेंट जोन में उन परिवारों के घरों को सील कर दिया गया है, जहां मौतें हुई हैं। ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की अनुमति के बिना परिवार के सदस्यों सहित कोई भी घर में प्रवेश नहीं कर सकता। दूसरे जोन में प्रभावित व्यक्तियों के निकट संपर्क वाले सभी परिवारों को शामिल किया गया है। इन परिवारों के लोगों को निरंतर स्वास्थ्य निगरानी में रखा जा रहा है। तीसरे जोन में बड्डाल गांव के सभी परिवार शामिल हैं। इस जोन में कर्मचारी लोगों को भोजन-पानी की व्यवस्था कर रहे हैं और सामूहिक भोज पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कोई भी व्यक्ति आदेशों का उल्लंघन न कर पाए इसके लिए पुलिस कर्मचारियों की भी तैनाती की गई है।

वक्फ संशोधन विधेयक...

को बुलाई गई है। बैठक में बिल पर क्लॉज-दर-क्लॉज चर्चा होगी और रिपोर्ट के मसौदे को अंतिम रूप दिया जाएगा। जेपीसी के सदस्यों को बिल पर मेल या फिजिकल तरीके से संशोधन देने के लिए 22 जनवरी शाम 4 बजे तक का समय दिया गया था जो बीत चुका है। समिति को बिल में शामिल करने के लिए कई संशोधन मिले है उन संशोधनों पर भी दो दिनों की बैठक में चर्चा और जरूरत पड़ी तो वोटिंग होगी। गौरतलब है कि जेपीसी के कुछ विपक्षी दल के सदस्यों ने जेपीसी की बैठक टाल कर 30 और 31 को करने की मांग की थी जिसे जेपीसी चेयरमैन ने नहीं माना। लोकसभा द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति के कार्यकाल को बढ़ाने के प्रस्ताव को पारित करने के दो महीने बाद, माना जा रहा है कि समिति आगामी बजट सत्र में अपनी 500 पन्नों की रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकती है। अब तक समिति ने दिल्ली में 34 बैठकें की हैं और कई राज्यों का दौरा किया है, जहां 24 से अधिक हितधारकों को बुलाया गया था। देश भर से 20 से अधिक वक्फ बोर्ड समिति के समक्ष उपस्थित हुए हैं। विपक्ष की आपत्तियों के बाद केंद्र ने विधेयक को आगे की जांच के लिए समिति को भेज दिया था। समिति के 21 लोकसभा और 10 राज्यसभा सदस्यों में से 13 विपक्षी दलों से हैं – निचले सदन में नौ और उच्च सदन में चार सदस्य हैं। बता दें कि बसमिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल हैं, जो उत्तर प्रदेश से भाजपा सांसद हैं। उन्होंने दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलुरु, गुवाहाटी, भुवनेश्वर, कोलकाता, पटना और लखनऊ की यात्रा की थी। सभी हितधारकों, राज्य सरकार के अधिकारियों, वक्फ बोर्डों, अल्पसंख्यक आयोगों, उच्च न्यायालय के वकीलों, इस्लामी विद्वानों, पूर्व न्यायाधीशों, कुलपतियों, अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और जमीयत उलेमा-ए-हिंद के सदस्यों और विभिन्न तंजीमों (संगठनों) से मुलाकात की थी।

पत्रकारों के लिए बेहतर ...

करने में मदद करने, पत्रकारों को नई प्रौद्योगिकियों से परिचित कराने, उनके पेशेवर कौशल में सुधार करने के लिए अक्सर कार्यशालाएं, सेमिनार, चर्चाएं आयोजित करती रही हैं। उन्होंने कहा कि एनयूजेआई हमेशा संपादकीय स्वतंत्रता की पक्षधर रही है, साथ ही से अखबार मालिकों के व्यावसायिक हितों से ऊपर रखने के संघर्ष में सबसे आगे रही है। उन्होंने कहा कि मार्च 1977 में नई सरकार के सत्ता में आने के बाद एनयूजेआई ने बोर्ड के नवीनीकरण या ट्रिब्यूनल के गठन पर जोर दिया। उसके बाद ही जनता पार्टी की सरकार ने ट्रिब्यूनल के गठन के लिए संसद से एक अधिनियम पारित किया। एनयूजेआई ने सरकार के समक्ष अनेक साक्ष्य पेश किए। उन्होंने कहा कि पूर्व एनयूजेआई अध्यक्ष स्वर्गीय मीनाक्षी सुंदरम स्वयं ट्रिब्यूनल के समक्ष श्रमजीवी पत्रकारों के मामले पर बहस करने के लिए उपस्थित हुए थे। न्यायमूर्ति पालेकर ने एनयूजेआई के योगदान को स्वीकार किया था। इस अवसर पर दिल्ली पत्रकार संघ के अध्यक्ष राकेश थपलियाल और महासचिव प्रमोद कुमार सिंह ने उपस्थित पत्रकारों को बधाई देते हुए कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि पत्रकार और पत्रकारिता के लिए संगठन हमेशा सकारात्मक भूमिका निभाता आया है। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की केंद्रीय मीडिया प्रत्यायन समिति (सीएमएसी) की दो वर्ष की अवधि (2025-27) के लिए पुनर्गठन संबंधी समिति में एनयूजेआई अध्यक्ष रास बिहारी, सचिन बुधोलिया और श्रीराम जोशी को शामिल किया गया है। उपस्थित पत्रकारों ने सीएमएसी के नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई भी दिया। इस अवसर पर एनयूजेआई चुनाव आयोग के सदस्य अशोक किंकर, एनयूजेआई सचिव अमलेश राजू, एनयूजे कार्यकारिणी के सदस्य मनोज वर्मा, डीजेए के कोषाध्यक्ष नरेश गुप्ता, एनयूजेआई महिला विंग की समन्वयक प्रतिभा शुक्ल, सदस्या अनीता चौधरी, डीजेए कार्यकारिणी की सदस्या निवेदिता मदाने, सदस्य डॉ अशोक बर्थवाल, नवीन गौतम, प्रदीप श्रीवास्तव, राजेश भासीन, आलोक मोहन नायक, अमित गौड़, मानवेंद्र कुमार, सुशील देव, कृष्ण कुमार तिवारी सहित दर्जनों पत्रकारं उपस्थित थे। उन्होंने सभी पत्रकारों का धन्यवाद करते हुए कहा कि पत्रकारों के हित के लिए सड़क से लेकर सत्ता के गलियारों तक जमकर संघर्ष करेंगे और सत्ता में शीर्ष पर बैठे लोगों तक आम पत्रकारों की समस्याओं को पहुंचाएंगे और उनका निवारण करवाएंगे।

बर्थराइट सिटीजनशिप : 20...

एक मैटरनिटी क्लिनिक के डॉ. एसडी रामा ने बताया कि ट्रंप के बर्थराइट के 14वें संशोधन में बदलाव करने के कदम के चलते वक्त से पहले बच्चों की डिलीवरी कराने के लिए लंबी लाइन लग गई है। रमा के क्लिनिक में कतार में लगने वालों में से अधिकांश भारतीय महिलाएं हैं जो गर्भावस्था के आठवें या नौवें महीने में हैं, वे सभी 20 फरवरी से पहले सी-सेक्शन निर्धारित करने के लिए कह रही हैं। जिससे 20 फरवरी से पहले उनकी डिलीवरी हो जाए और उनके बच्चों को जन्मजात अमेरिका की नागरिकता मिल जाए। एक सात महीने की गर्भवती महिला अपने पति के साथ समय से पहले प्रसव के लिए साइन अप करने आई थी। अमेरिकी जमीन पर पैदा हुए किसी भी बच्चे को अपने आप ही नारिकता मिल जाती है, चाहे उसके माता-पिता का इमिग्रेशन या फिर नागरिकता का स्टेटस कुछ भी हो। ट्रंप के आदेश के लागू होने के नाद अमेरिका में पैदा हुए सच्चे को नागरिकता उसी हालत में मिलेगी, जन उसके माता- पिता में से कोई एक अमेरिकी नागरिक हो, ग्रीन कार्ड होल्डर या फिर अमेरिकी सेना में हो।

पत्नी के टुकड़े-टुकड़े ...

पुलिस इंस्पेक्टर नागराजू ने कहा कि महिला के माता-पिता ने हमारे पास गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। महिला का पति भी उनके साथ आया था। हमें शक हुआ और हमने उससे पूछताछ की। उसने अपना अपराध कबूल कर लिया। बताया गया कि कथित तौर पर आरोपी ने बाथरूम में अपनी पत्नी के शव के टुकड़े किए और उसके टुकड़ों को प्रेशर कुकर में उबाला। उसने हड्डियों को अलग किया, उन्हें मूसल से पीसकर फिर से उबाला। तीन दिनों तक कई बार मांस और हड्डियों को पकाने के बाद उसने कथित तौर पर उन्हें पैक करके झील में फेंक दिया। हालांकि, इन दावों की पुष्टि की जा रही है। 35 वर्षीय वेंकट माधवी के लापता होने की सूचना उसके परिवार ने 16 जनवरी को दी थी। जब पुलिस ने जांच शुरू की तो उन्हें उसके पति पर शक हुआ। जब पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने जघन्य अपराध कबूल कर लिया। मीरपेट के पुलिस निरीक्षक नागराजू ने कहा कि 16 जनवरी को सुबम्मा नाम की एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई कि उसकी बेटी माधवी लापता हो गई है। उसकी शादी 13 साल पहले गुरुमूर्ति से हुई थी। पिछले पांच साल से दोनों पत्नी और पति अपने दो बच्चों के साथ मीरपेट पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत वेंकटेश्वर कॉलोनी में रह रहे थे। इस महीने की 16 तारीख को शिकायतकर्ता की बेटी माधवी और उसके पति गुरुमूर्ति के बीच किसी मुद्दे पर बहस हुई, उसके बाद से उसकी कोई खबर नहीं है। मीरपेट में महिला के लापता होने के मामले में एलबी नगर के डीसीपी ने बताया कि 17 जनवरी को एक गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया था। आरोपी ने कबूल कर लिया है कि उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है। उसने उसके शरीर के अंगों को काट दिया और उन्हें झील में फेंक दिया। हम सच्चाई का पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं।

भारत में तेजी से ...

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने कहा था कि भारत जल्द ही एक अरब से अधिक मतदाताओं का नया रिकॉर्ड बनाएगा। उन्होंने कहा था कि मतदाता सूची कल (6 जनवरी) जारी की गई। हमारे मतदाताओं की संख्या 99 करोड़ को पार कर गई है... हम बहुत जल्द एक अरब मतदाताओं वाला देश बनने जा रहे हैं, जो मतदान का एक और रिकॉर्ड होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार और पंजाब द्वारा एसएसआर (विशेष सारांश संशोधन) की घोषणा के बाद, जिसके परिणाम आज घोषित किए जाएंगे, हम पहली बार 99 करोड़ मतदाताओं को पार कर जाएंगे। उन्होंने कहा कि महिला मतदाताओं की संख्या भी लगभग 48 करोड़ होने वाली है।

सरकार की गलत ...

वर्ग के परिवारों के लिए जीवन को को बहुत कठिन कर दिया है। उन्होंने कहा कि देश को अब ऐसे बजट की जरूरत है जो बढ़ती महंगाई से राहत दे। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में महंगाई ने आम लोगों की जेबें खाली कर दी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि *मोडानी* सरकार ने पिछले दस सालों में केवल अपने अमीर मित्रों का ध्यान रखा है। सरकार की गलत नीतियों के कारण लगातार बढ़ रही बेरोजगारी और महंगाई ने निम्न और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए जीवन बेहद मुश्किल बना दिया है। दूध, आटा, दाल, पेट्रोल, डीजल और सब्जियों की कीमतें आसमान छू रही हैं। ईएमआई और रोजमर्रा की जरूरतों का बोझ हर घर पर बढ़ता जा रहा है। देश को अब महंगाई से राहत देने वाला बजट चाहिए। क्या सरकार जनता की तकलीफें सुनकर कोई ठोस कदम उठाएगी? कांग्रेस ने बुधवार को दावा किया था कि क्वार्टर 2 जीडीपी वृद्धि संख्या कोई झटका नहीं है, बल्कि अर्थव्यवस्था में एक स्पष्ट मंदी है और महामारी के बाद का उछाल विकास को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त नहीं है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी मोदी सरकार पर उनकी आर्थिक नीतियों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वास्तविक विकास तब होगा, जब हर कोई प्रगति करेगा। व्यापार के लिए उचित माहौल होता है, निष्पक्ष कर प्रणाली होती है और श्रमिकों की आय बढ़ती है। राहुल गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मोदी सरकार पर हमला कहते हुए पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि मोदी जी के विकसित भारत की सच्चाई: मेहनत आपकी, मुनाफा किसका? आप सभी के खून पसीने से देश की अर्थव्यवस्था का पहिया घूम रहा है, लेकिन क्या आपको इसमें उचित हिस्सा मिल रहा है? जरा सोचिए। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 60 साल के सबसे निचले स्तर तक चली गई। इस वजह से लोगों को रोजगार के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि कृषि क्षेत्र में गलत नीतियों ने किसान और खेत मजदूर की स्थिति बदहाल की है। वे मुश्किल से अपना गुजारा कर पा रहे हैं।

जापान के साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस का विशेष संबंध था : मुख्यमंत्री

टोक्यो (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि नेताजी की जापान यात्रा और उपनिवेशी शासन के खिलाफ जापान का समर्थन पाने के उनके कठिन प्रयासों उन्होंने को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी के विचार और भारत के इतिहास में उनके अतुलनीय योगदान से हम गहराई से प्रेरित हैं। डॉ. शर्मा ने कहा कि आज मैंने टोक्यो में भारतीय दूतावास में नेताजी को पुष्पांजलि अर्पित करके अपने दिन की शुरुआत की। मैंने उनकी जापान यात्राओं और औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ाई में जापान का समर्थन हासिल करने के लिए उनके अथक प्रयासों को याद किया। उन्होंने कहा कि हम नेताजी के विचारों और भारत के इतिहास में उनके अद्वितीय योगदान से गहराई से प्रभावित हैं। नेताजी सुभाष चंद्र बोस, जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रमुख नेता थे, ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान की मदद से भारतीय राष्ट्रीय सेना (आईएनए) का गठन किया और ब्रिटिश

औपनिवेशिक शासन को चुनौती दी। जापान के साथ उनका सहयोग दोनों देशों के साझा इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। डॉ. शर्मा की यह यात्रा नेताजी के विजन और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका के प्रति सम्मान को दर्शाती है। साथ ही, उनके बयान से भारत-जापान संबंधों को मजबूत करने के ऐतिहासिक और आपसी सम्मान के महत्व पर भी प्रकाश पड़ता है।

मौसम विभाग ने प्रदेश के आठ जिलों में बारिश का जताया अनुमान

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के बरझाड़ स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, गुवाहाटी ने प्रदेश के आठ जिलों में बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने 24 जनवरी को बारिश की संभावना जताई है। मौसम विज्ञान केंद्र ने प्रदेश के 16 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने आज कोकराझाड़, धुबड़ी, दक्षिण सालमारा, ग्वालापाड़ा, नगांव, पश्चिम कार्बी आंग्लांग, होजाई, कार्बी आंग्लांग, हैलाकांदी, श्रीभूमि, माजुली, जोरहाट, शिवसागर, चराईदेव, डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। जिन जिलों में मौसम विभाग ने आज येलो अलर्ट जारी किया है, वहां घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। आज सुबह से ही अलर्ट जारी किए गए जिलों में कोहरा छाया हुआ है।

पूसीरे में ज्ञानवापी ऐप सफलतापूर्वक लांच

गुवाहाटी (हिंस)। डिजिटल प्रशिक्षण और परिचालन उत्कृष्टता के एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने आधिकारिक तौर पर ज्ञानवापी ऐप नामक एक शैक्षिक मोबाइल एप्लिकेशन लांच किया है। इस ऐप को हाल ही में पूसीरे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव और मुख्यालय एवं मंडलों के वरिष्ठ रेल अधिकारियों की उपस्थिति में लांच किया गया था। ज्ञानवापी ऐप एक ऑल-इन-वन शैक्षिक मंच है, जिसे विशेष रूप से रेलवे प्रोफेशनलों के लिए डिजाइन किया गया है। यह उपयोगकर्ताओं को जानकारी के साथ सशक्त बनाने, उनके प्रोफेशनल विकास को बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने के लिए संसाधनों का खजाना प्रदान करता है कि वे परिचालन संबंधी दिशा-निर्देशों और विकास से अवगत रहें। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि महाप्रबंधक ने उक्त ऐप लांच करते हुए इसे विकसित करने के प्रति समर्पित प्रयासों और नवाचार की सराहना की। उन्होंने पूसीरे में परिचालन ज्ञान-साझाकरण में परिवर्तन और प्रोफेशनल क्षमताओं को मजबूत करने में ऐप की क्षमता पर जोर दिया। महाप्रबंधक ने सभी मंडलों में ऐप के व्यापक कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। यह संकेत इस अग्रणी पहल में नेतृत्व के समर्थन और विश्वास को रेखांकित करता है। उल्लेखनीय है कि ज्ञानवापी ऐप को वरिष्ठ सहायक लोको पायलट नीतीश शर्मा ने तिनसुकिया के मंडल यांत्रिक इंजीनियर (पावर) सुनील कुमार के समन्वय से विकसित किया है। ज्ञानवापी ऐप रेलवे प्रोफेशनलों के लिए शैक्षिक संसाधनों और परिचालन दिशानिर्देशों तक पहुंच को डिजिटाइज और सुव्यवस्थित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मेघालय में घुसपैठ करते छह बांग्लादेशी गिरफ्तार

शिलांग (हिंस)। बीएसएफ मेघालय की 172वीं बटालियन के सतर्क जवानों ने गुरुवार को एक विशेष सूचना के आधार पर सीमा पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान ईस्ट जयंतिया हिल्स से अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार करते समय छह लोगों को गिरफ्तार किया है। यह सभी बांग्लादेशी नागरिक हैं और रात के अंधेरे में बांग्लादेश से भारत में घुस आये थे।

दक्षिण सलमारा में पुलिस ने दो करोड़ की हेरोइन जब्त की

गुवाहाटी (हिंस)। दक्षिण सलमारा-मानकाचर जिले में पुलिस ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन जब्त की। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने इस उपलब्धि की जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस को पड़ोसी राज्य से भारी मात्रा में ड्रग्स लाने और एक घर में छिपाकर रखने की सूचना मिली थी। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियान चलाकर 252 ग्राम हेरोइन बरामद की। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है और आगे की जांच जारी है। मुख्यमंत्री ने पुलिस की सराहना करते हुए इसे सराहनीय कार्य बताया।

ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने के लिए गोसाइगांव में पीएमबीजेके का उद्घाटन

कोकराझाड़ (हिंस)। गोसाइगांव एसएस लिमिटेड में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र (पीएमबीजेक) का उद्घाटन किया गया, जिसमें कोकराझाड़ की जिला आयुक्त, मासांडा एम पार्टिन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम के दौरान, 10 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) को जेरॉक्स मशीनें वितरित की गईं। इस पहल का उद्देश्य पीएसीएस को कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के रूप में सशक्त बनाना है, जिससे उनकी सेवा प्रदान करने की क्षमता बढ़े और ग्रामीण समुदायों को सरकारी और गैर-सरकारी ऑनलाइन सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश में उनकी भूमिका का विस्तार हो। सभा को संबोधित करते हुए पार्टिन शेयरधारकों को बधाई दी और *सहकार से समृद्धि* थीम के तहत राष्ट्रीय सहकारी आंदोलन को आगे बढ़ाने की उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

उन्होंने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) को उर्वरक खुदरा बिक्री (पीएमकेएसके), बीबीएसएसएल, पेट्रोल पंप डीलरशिप, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) सेवाओं और कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) संचालन जैसी गतिविधियों को शामिल कर उनके विविधीकरण के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों पर प्रकाश डाला। सहकारिता विभाग के प्रमुख सचिव (सीएचडी), जयंत खेरकटारी ने पीएसीएस को बहुउद्देश्यीय समाजों में बदलने के महत्व पर जोर दिया और भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा *सहकार से समृद्धि* के तहत की गई विभिन्न पहलों को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत स्थापित यह पीएमबीजेक, ग्रामीण आबादी को किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखता है। पीएसीएस के माध्यम से संचालित ये केंद्र स्वास्थ्य देखभाल लागत को कम करने और आवश्यक दवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस योजना के तहत प्रोत्साहन और लाभ मार्जिन भी प्रदान किए जाते हैं ताकि इन केंद्रों की स्थिरता बनी रहे। इस कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया, जिनमें बीटीसी के कार्यकारी पार्षद विल्सन हासदा, सहकारिता के संयुक्त सचिव, बीटीसी, पामी ब्रह्म, गोसाइगांव एसडीओ (सी) मृदुल शिवहरे, सीएचडी सहकारिता जयंत खेरकटारी आदि शामिल थे।

धिंग में मनी नेताजी की 128वीं जयंती

नगांव (हिंस)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती आज नगांव जिलांतर्गत धिंग में पूरे उत्साह के साथ मनाई गई। धिंग स्थित नेताजी सुभाष संघ की ओर से आज विभिन्न कार्यक्रमों के तहत जयंती मनायी गई। कार्यक्रम के अनुसार धिंग नगर पालिका के महापौर सुशांत देव नाथ ने दीप प्रज्ज्वलित किया। जबकि, प्रतिमा पर धिंग पुलिस थाना प्रभारी प्रज्ञान गोगोई, नेताजी सुभाष संघ के अध्यक्ष संदीप कुड़ी और गणमान्य हस्तियों ने माल्यार्पण किया। राष्ट्रीय ध्वज धिंग राजस्व सर्किल सर्कल अधिकारी सौरव कुमार दास द्वारा फहराया गया, नेताजी सुभाष संघ का ध्वज क्लब के संस्थापक अध्यक्ष रंजीत देव नाथ द्वारा फहराया गया और अखिल असम बंगाली युवा परिषद का झंडा नेताजी सुभाष संघ और क्षेत्रीय सचिव राणा मोदके द्वारा फहराया गया। तृप्ति देव नाथ के निर्देशन में और किशालय संगीत विद्यालय के छात्रों के सहयोग से राष्ट्रगान बजाया गया। कार्यक्रम का संचालन धिंग शंकर देव निकेतन के प्राचार्य संजीव दास ने किया। आज राज्य के विभिन्न में भी नेताजी की जयंती मनाई जा रही है।

विश्वनाथ जवाहर नवोदय विद्यालय में पराक्रम दिवस के अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128 वीं जयंती के अवसर पर पराक्रम दिवस मनाने के लिए आज जेएनवी बिश्वनाथ में एक अंतर स्कूल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। बिश्वनाथ जिले के विभिन्न स्कूलों से कुल 100 छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले स्कूल हैं बिश्वनाथ ज्ञान भारती, ईस्ट इंडियन स्कूल, बिश्वनाथ, चारियाली आदर्श विद्यापीठ, बिश्वनाथ, लिटिल स्टार स्कूल, बिश्वनाथ और जेएनवी बिस्वनाथ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिखित एग्जाम वॉरियर की प्रतियां छात्रों के बीच वितरित की गईं। प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वालों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए गए।

रंगिया : गोरोखिया गोपाल मारली थान का 41वां वार्षिक महोत्सव

असंख्य भक्तों के स्वागत के लिए चल रही व्यापक तैयारियां

रंगिया (विभास)। हरवर्ष की तरह इसबार भी रंगिया के तुलसीबारी स्थित ऐतिहासिक श्री श्री गोरोखिया गोपाल मारली थान के वार्षिक महोत्सव एवं प्राण प्रतिष्ठा दिवस का व्यापक आयोजन किया गया है। आगामी 25 जनवरी से तीन दिवसीय कार्यक्रमों के साथ आयोजित होने वाले इसवर्ष 41वें महोत्सव के सुचारू संचालन के लिए अध्यक्ष-अच्युत चंद्र केऊट, उपाध्यक्ष अनंत राजवंशी, दिनेश कलिता और सुबोध कलिता, मुख्य सचिव संजय कलिता, सहायक सचिव मुकुट कलिता, मदन कुमार अमरज्योति दास का कार्यभार देते हुए आयोजन समिति गठित की गई है। महोत्सव का शुभारंभ, भागवत की स्थापना, मुख्य द्वार का उन्मोचन, मंदिर द्वार का उन्मोचन आदि कई प्रारंभिक कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा। वहीं दूसरे दिन का कार्यक्रम के अंतर्गत दैनिक प्रसंग, धार्मिक ध्वजारोहण, स्मृति तर्पण और भागवत शोभायात्रा आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात आयोजित होने वाली धार्मिक सभा में मुख्य अतिथि, निर्दिष्ट वक्ता और आमंत्रित अतिथि के रूप में गुवाहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ननीगोपाल महंतो, प्रमुख विचारक मयूर बोरा और स्थानीय विधायक भवेश कलिता उपस्थित रहेंगे। इसका उद्घाटन असम महापुरुष सत्र समाज के अध्यक्ष मनहरी राजवंशी द्वारा किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर महाप्रभु का सामूहिक भोग ग्रहण क्षेत्र का उद्घाटन अंतर्राष्ट्रीय विश्व हिंदू परिषद, असम प्रदेश के महासचिव दयाल दास करेंगे जिसमें असंख्य भक्त अनगिनत चूल्हे पर तैयार किया गया प्रभु के भोग का सामूहिक आनंद लेंगे। आगे कार्यक्रम के अंतर्गत असम के प्रसिद्ध नगाड़ा नाम गायक रामचरण भराली और राजीव डेका द्वारा नगाड़ा नाम का प्रदर्शन और इसके पश्चात पिछले वर्षों की स्मृति में शाम को एक सामूहिक दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम आयोजित जाएगा। महोत्सव के अंतिम दिन नंदिता नाथ कलिता और देवयानी नाथ द्वारा नगाड़ा नाम कार्यक्रम प्रदर्शन होगा और इसके साथ ही संध्या गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और इसके पश्चात प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

गुवाहाटी में गणतंत्र दिवस से पूर्व ब्रह्मपुत्र नद घाटों पर जल पुलिस ने चलाया तलाशी अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। गणतंत्र दिवस को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए गुवाहाटी में जल पुलिस द्वारा कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। पश्चिम गुवाहाटी के डीसीपी पद्मनाभ बरुवा ने आज जानकारी दी कि अपराधियों पर नजर रखने के लिए शहर के विभिन्न प्रवेश द्वारों पर विशेष तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। गुरुवार सुबह से डीसीपी पद्मनाभ बरुवा के नेतृत्व में जल पुलिस की एक विशेष टीम ब्रह्मपुत्र नद के विभिन्न घाटों पर सघन तलाशी अभियान चला रही है। यह अभियान पांडु घाट से शुरू होकर नद के अन्य प्रमुख घाटों तक चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आम जनता निर्बाध रूप से गणतंत्र दिवस मना सके। पश्चिम गुवाहाटी पुलिस प्रशासन के अनुसार, गणतंत्र दिवस जैसे महत्वपूर्ण दिन पर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने आम जनता से भी सतर्क रहने की अपील की है और अनुरोध किया है कि यदि किसी को कोई संदिग्ध गतिविधि नजर आती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। प्रशासन को उम्मीद है कि इन इंतजामों के चलते पूरे इलाके में शांति बनी रहेगी और नागरिक बिना किसी बाधा के इस राष्ट्रीय पर्व का आनंद ले सकेंगे।

रेडीमेड गारमेंट्स डीलर्स एसोसिएशन ने मनाई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

गुवाहाटी (विभास)। रेडीमेड गारमेंट्स डीलर्स एसोसिएशन ऑफ असम ने फैंसी बाजार स्थित गोल्डेन उडेन हॉल्ट के प्रांगण में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129 वीं जयंती मनाई। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष सुब्रतो रॉय ने नेताजी के चित्र के आगे दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें सेल्यूट देते हुए कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारत के स्वतंत्रता सेनानियों में से सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति थे। वे भारत माता की सबसे सर्वश्रेष्ठ संतान थे। नेता जी का जीवन हमारे लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने भारत को सर्व शक्तिमान बनाने का जो संकल्प लिया था उस संकल्प में हमें भी अपना योगदान देना चाहिए। रेडीमेड गारमेंट डीलर्स एसोसिएशन के सभी सदस्य राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व बोध को समझ कर राष्ट्र सेवा में काम करें। इससे पहले संगठन के सभी सदस्यों ने नेताजी के चित्र के आगे पुष्प अर्पित कर उन्हें सेल्यूट दिया तथा शाम को नेताजी की याद में दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इस कार्यक्रम में संगठन के मंत्री श्याम खेमका ने सभी सदस्यों को कार्यक्रम में सहयोग देने के लिए आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में संगठन के कोषाध्यक्ष सुभाष दे, वरिष्ठ सदस्य चंदनमल सेठिया, सलाहकार असीम रॉय के अलावा काजल दे, अरुण दे, रंजीत रॉय, समीम खान व दिलीप के अलावा अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

खारुपेटिया के निमताली में सड़क हादसा, एक व्यक्ति की मौत

दरंग (हिंस)। खारुपेटिया के निमताली में आज हुए भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के अनुसार ट्रक और सड़क किनारे खड़ी मारुति कार की चपेट में आने से ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान धुला थाना अंतर्गत 3 नंबर थेकेराबारी गांव निवासी सुल्तान अली के रूप में हुई है। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक (एएस-01 एफसी-2432) और मारुति (एएस-13एन-8855) के बीच हुई टक्कर की चपेट में ई-रिक्शा आ गया, जिसके चलते अली की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद खारुपेटिया पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम के लिए मंगलदोई सिविल अस्पताल भेज दिया। ट्रक के साथ उसके चालक को भी गिरफ्तार कर पुलिस थाने ले आई। पुलिस इस संबंध में कानूनी कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद के नए सत्र की पहली कार्यकारिणी का विस्तार

गुवाहाटी (विभास)। लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद, पूर्वोत्तर ने 2025-26 के कार्यकाल के लिए पहली कार्यकारीणी सभा नवनिर्वाचित अध्यक्ष विशाल भातरा की अध्यक्षता में आठगांव स्थित एपी होम्स में आयोजित हुई। अध्यक्ष विशाल भातरा ने सलाहकारों के साथ चर्चा करके कार्यकारणी समिति का गठन किया। इस बैठक में विभिन्न निर्णय लिए गए और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा की गई। परिषद के सदस्यों ने आगामी कार्यकाल के लिए रणनीतियों और योजनाओं पर चर्चा की। अध्यक्ष विशाल भातरा ने अध्यक्षीय स्वागत संबोधन देते हुए कहा कि यह बैठक लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद के लिए एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है और इसके सदस्यों ने समाज के विकास के लिए काम करने का संकल्प लिया है। सभा मे उपस्थित संरक्षक रामावतार भरतिया, मुख्य सलाहकार जय प्रकाश गोयनका, उपाध्यक्ष सुशील व्यास, रतन खाखोलिया संजय काबरा सीए, आदर्श शर्मा, चंदन पारीक, कोषाध्यक्ष रोहित काबरा सीए,

संयुक्त सचिव मनोज सोमानी मनोनीत किया गया। मातृशक्ति को समाज में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नारी प्रकोष्ठ का गठन करते हुए मीनाक्षी मीमानी को संयोजिका और रूबी जालान को सह संयोजिका नियुक्त किया गया। इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्य मुकेश भातरा, विजय बजाज, गोविंद गोस्वामी व तेजपुर से विशेष आमंत्रित संतोष टीबडेवाल उपस्थित थे। सदस्यों के बीच में आपसी व्यवसाय को उन्नत करने के लिए बीटूबी व्यवस्था लागू की गई। जिसका संयोजक कृष्ण कुमार मिमानी को बनाया गया। सभा में राम अवतार भारतीय को गुवाहाटी गौशाला के उपाध्यक्ष पद पर आसीन होने के लिए परिषद की ओर से फूलाम गमछा देकर सम्मानित किया गया। परिषद का पूर्वोत्तर में संगठन विस्तार करने के उद्देश्य से लोअर असम, अपर असम और शिलांग में प्रतिनिधि नियुक्त किए जाएंगे। अंत में नवनियुक्त सचिव प्रियंक जालान ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।,

संपादकीय

विकास में नियोजन

अंततः लैंड पूलिंग के जरिए हिमाचल शहरी विकास का खाका बीबीएन की जमीन पर उतर कर एक, आश्वासन दे रहा है। यहां भू संपत्ति के मालिक पूलिंग समझौते के तहत न केवल शहरी विकास के रेखांकन में अव्वल होंगे, बल्कि इससे एक व्यवस्थित बीबीएन का मानचित्र भी बनेगा। भले ही टीसीपी कानून की शर्तों में ऐसे उपाय शुरुआत में ही कर लेने चाहिए थे, लेकिन देरी से सही एक राह तो सामने आई। बीबीएन अब तक औद्योगिक प्रसार का डेस्टिनेशन बना रहा, जबकि यह एक महानगर के अवतार की क्षमता की संभावना रखता है। लैंड पूलिंग से भी हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियों को शहरी योजनाओं के सांचे में ढालना आसान हो जाएगा। जाहिर तौर पर बीबीएन के अनुभव प्रदेश के हर शहरी क्षेत्र और खास तौर पर नगर निगमों के दायरे में लागू हों, तो कई शहरों का एक तरह से पुनर्गठन होगा और सार्वजनिक जमीन के इस्तेमाल की किफायत भी होगी। अब तक का शहरी विकास केवल सरकारी जमीन की उपलब्धता या निजी भूमि की बिक्री पर ही हुआ है। देखते ही देखते हमने बेहतरीन उपजाऊ जमीन, घाटियां, खेत और पर्यावरणीय माहौल उजाड़ा है। हम विकास में नियोजन करने की संस्कृति और जवाबदेही को अपना ही नहीं सके, नतीजतन अफरातफरी में आफताब डूब गया और हमारे सामने बढ़ते अंधेरों की चुनौती है। क्योंकि हिमाचल के 55673 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में से 37033 वर्ग किलोमीटर वन भूमि है। इस तरह वन भूमि के तहत 68.16 प्रतिशत जमीन का होना, हमारे विकास के लिए मात्र 31 प्रतिशत क्षेत्रफल ही छोड़ता है। इतना ही नहीं, निजी व सार्वजनिक भूमि की किस्म, उस पर उगे पेड़ व भौगोलिक स्थिति के कारण कई तरह की पर्यावरणीय चुनौतियों के कारण भी हमने अपने आशियाने या व्यापार के परिसर बनाने में अधिकांश जमीन का दुरुपयोग ही किया है। हर गांव के भीतर कितने ही शहर उग रहे और शहरों ने असंख्य गांवों की आर्थिकी को समेट लिया। अब सवाल यह भी कि किसे गांव माने और कितने निर्माण को सही ठहराएं। सही निर्माण के लिए टीसीपी की परिधि में आना ही पड़ेगा। शहर या शहर जैसी व्यवस्था हर तरह के निर्माण पर लागू हो, तो हम विकास को नियोजित करके सार्वजनिक और निजी भूमि की फिजूलखर्ची रोक पाएंगे। हिमाचल के तमाम प्रशासनिक व अन्य शहरों में सार्वजनिक भूमिका का न केवल अनावश्यक इस्तेमाल रोकना होगा, बल्कि अब तक के सरकारी निर्माण को भी व्यवस्थित करना होगा। एक कोशिश प्रेम कुमार धूमल सरकार ने की थी, जब बहुविभागीय इमारतें या मिनी सचिवालय बनने लगे, लेकिन आज भी कई विभाग आबंटित जमीन का बेहूदा इस्तेमाल कर रहे हैं। अगर पुलिस व स्वास्थ्य विभाग को छोडक़र तमाम सरकारी इमारतों को एक एजेंसी के तहत पूल किया जाए, तो वित्तीय संसाधन और सार्वजनिक जमीन भी बचेगी। इसके लिए सार्वजनिक एस्टेट विकास प्राधिकरण का गठन करना होगा, जो विभागीय भवनों के इस्तेमाल और भविष्य के निर्माण को किफायती ढंग से लागू कर पाएगी। इसके लिए हर शहर और हर गांव को भूमि बैंक गठित करने होंगे। यह एक सतत प्रक्रिया होनी चाहिए जिसे केवल सार्वजनिक एस्टेट विकास प्राधिकरण कर सकता है। लैंड पूलिंग के मॉडल पर अगर सार्वजनिक व निजी भूमि के बीच भविष्य के सेतु सुदृढ़ हों, तो सरकार का भूमि बैंक बढ़ जाएगा। मसलन पर्वतीय परिवेश में ऐसे कई नाले या खड्डें हैं, जिनके तटीकरण से सरकारी व गैर सरकारी जमीन बढ़ेगी और अगर कारपोरेट या बैंकिंग क्षेत्र के सहयोग ऐसी परियोजनाओं में सहयोग लिया जाए, तो निर्माण की परिभाषा और अभिलाषा भी बदल जाएगी।

> हिमाचल शहरी विकास का खाका बीबीएन की जमीन पर उतर कर एक, आश्वासन दे रहा है। यहां भू संपत्ति के मालिक पूलिंग समझौते के तहत न केवल शहरी विकास के रेखांकन में अव्वल होंगे, बल्कि इससे एक व्यवस्थित बीबीएन का मानचित्र भी बनेगा। भले ही टीसीपी कानून की शर्तों में ऐसे उपाय शुरुआत में ही कर लेने चाहिए थे, लेकिन देरी से सही एक राह तो सामने आई। बीबीएन अब तक औद्योगिक प्रसार का डेस्टिनेशन बना रहा, जबकि यह एक महानगर के अवतार की क्षमता की संभावना रखता है। लैंड पूलिंग से भी हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियों को शहरी योजनाओं के सांचे में ढालना आसान हो जाएगा। जाहिर तौर पर बीबीएन के अनुभव प्रदेश के हर शहरी क्षेत्र और खास तौर पर नगर निगमों के दायरे में लागू हों, तो कई शहरों का एक तरह से पुनर्गठन होगा और सार्वजनिक जमीन के इस्तेमाल की किफायत भी होगी। अब तक का शहरी विकास केवल सरकारी जमीन की उपलब्धता या निजी भूमि की बिक्री पर ही हुआ है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस- 24 जनवरी, 2025

नये भारत के लिये बालिकाओं की बंद खिड़कियां खुलें

ललित गर्ग

> भारतीय समाज में लड़कियों को अक्सर भेदभाव, यौन-शोषण और अन्याय का सामना करना पड़ता है। उन्हें अक्सर अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने के अवसर से वंचित रखा जाता है और उन्हें बहुत कम उम्र से ही घर के कामों में मदद करनी पड़ती है। इन्हीं विडम्बनाओं एवं विसंगतियों को नियंत्रित करने के लिये भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 2008 में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरुआत की। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य भारतीय समाज में लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता फैलाना है।

जहां पांव में पायल, हाथ में कंगन, हो माथे पे बिंदिया, इट हैपन्स ओनली इन इंडिया- जब भी कानों में इस गीत के बोल पड़ते है, गर्व से सीना चौड़ा होता है। जब नवरात्र के दिनों में कन्याओं को पूजित होने के स्वर सुनते हैं तब भी शकुन मिलता है लेकिन जब उन्हीं कानों में यह पड़ता है कि इन पायल, कंगन और बिंदिया पहनने वाली बालिकाओं के साथ कैसे अत्याचार, यौन-शोषण इंडिया क्या करता है, तब सिर शर्म से झुकता है। भारतीय समाज में लड़कियों को अक्सर भेदभाव, यौन-शोषण और अन्याय का सामना करना पड़ता है। उन्हें अक्सर अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने के अवसर से वंचित रखा जाता है और उन्हें बहुत कम उम्र से ही घर के कामों में मदद करनी पड़ती है। इन्हीं विडम्बनाओं एवं विसंगतियों को नियंत्रित करने के लिये भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 2008 में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरुआत की। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य भारतीय समाज में लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता फैलाना है। यह दिन समाज में लड़कियों के खिलाफ लैंगिक असमानता, रूढ़िवादिता, भेदभाव, यौन-शोषण और हिंसा की मौजूदा समस्याओं पर प्रकाश डालता है, बालिकाओं को सशक्त बनाता है और शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में लड़कियों को समान अवसर प्रदान करने के महत्व का संदेश देता है। बालिकाओं की बन्द खिड़कियां खुलें, तभी नया भारत-सशक्त भारत बन सकेगा।

सरकार का उद्देश्य बालिका दिवस के माध्यम से बालिकाओं के साथ समान व्यवहार करने और उन्हें वे अवसर प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता को व्यक्त करना है, जिनकी वे हकदार हैं। यह दिवस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरुआत की तिथि भी है। इसका लक्ष्य बालिका लिंग अनुपात में गिरावट के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना भी है। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम 'उज्ज्वल भविष्य के लिए लड़कियों को सशक्त बनाना' है। इसके लिये भारत में बालिकाओं के लिए कई सरकारी योजनाएं चल रही हैं। लेकिन कई प्रभावी सरकारी

योजनाओं के बावजूद भारत में बालिकाओं की स्थिति चिन्ताजनक है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकडे.चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। यह आंकड़ा सबसे निम्न स्तर पर मौजूद राजस्थान के बराबर है। तमिलनाडु, कर्नाटक जैसे राज्यों में भी तस्वीर बहुत बेहतर नहीं है। बालिकाओं की घटती संख्या एक गंभीर चिन्ता का विषय है।

हालांकि, बहुत से लोगों का मानना है कि 21वीं सदी तक आते-आते बालिकाओं एवं महिलाओं की ज़िंदगी में बहुत बदलाव आए हैं लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए अब हालात पहले से ज्यादा खराब हो चुके हैं। कहने को भले ही लड़कियां हर मामले में लड़कों के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हो, हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा, क्षमता एवं कौशल का लोहा मनवा रही है लेकिन उनके सामने हर रोज एक लंबी चुनौती भी खड़ी है। भारतीय बालिकाओं एवं महिलाओं की समस्याएं केवल सामाजिक अधिकारों तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि कार्यस्थलों और घरों में भी वह मानसिक और सामाजिक रूप से प्रभावित होती हैं। बालिकाओं एवं महिलाओं की सोच में भले ही पिछले कुछ सालों की तुलना में बदलाव आए हों लेकिन मर्दों की सोच और रवैये में कुछ खास फर्क नजर नहीं आता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सड़क पर छोटे कपड़े पहनकर चलने में लगभग हर महिला ही असुरक्षित महसूस करती है। चीरहरण करती आंखें, अंजाने में छूने वाले हाथ और सीटियों की गूंज का सामना किसी लड़के को नहीं बल्कि लड़की को ही हर रोज करना पड़ता है। कुछ घरों में आज भी लड़कों की तुलना में लड़कियों के साथ अलग व्यवहार किया जाता है। वह कैसे बोलती है, कैसे कपड़े पहनती है, अपना जीवन जीने का तरीका किस तरह चुनती है, भले ही इन बातों से उसे कोई फर्क नहीं पड़ रहा हो लेकिन उसके आसपास रहने वाले लोग इससे असुरक्षित वातावरण महसूस करने लगते हैं। ज्यादातर लोगों ऐसा मानना है कि एक बालिका को मिलनसार होना चाहिए। उसे हमेशा ही समझौता करना चाहिए। भले ही वह बातें उसे नुकसान क्यों न पहुंचा रही हों।

जन्म से पहले ही पता चल जाए कि बच्ची पैदा होगी तो ये उसकी जान लेने से भी नहीं कतराते। पिछली सदी में समाज के एक बड़े वर्ग में यह एक विभीषिका ही थी कि परिवार की धुरी होते हुए भी नारी को वह स्थान प्राप्त नहीं था जिसकी वह अधिकारिणी थी। उसका मुख्य कारण था सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। कितनी विडम्बना है कि देश में हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाओं की संख्या घटने का दाग लग रहा है। यह दाग 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है। वे पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं।

दृश्टि कोण

तोल-मोल बिन बोल से 'सेल्फ गोल'

अंग्रेजी का शब्द है 'सेल्फ गोल' यानी अपने हाथों अपनी हार। आजकल यह शब्द कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी के साथ जुड़ा हुआ है। कुछ ही दिन पहले अपनी ही पार्टी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए लोकसभा में नेता विपक्ष ने कहा था, हमारी लड़ाई भाजपा से, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से है। यहां तक तो बात ठीक थी, पर राहुल गांधी यहीं नहीं रुके- पता नहीं क्या सोचकर उन्होंने आगे कहा, हमारी लड़ाई 'इंडियन स्टेट' से है। सत्तारूढ़ दल भाजपा की जैसे कोई मनचाही मुराद पूरी हो गयी। उसने राहुल गांधी की इस 'तीसरी लड़ाई' को मुद्दा बना लिया। भाजपा के नेता-प्रवक्ता तो जैसे राहुल गांधी और कांग्रेस के पीछे ही पड़ गये। इंडियन स्टेट से लड़ाई को उन्होंने राष्ट्र के साथ खिलवाड़ निरूपित कर दिया और घोषणा कर दी कि राहुल भारत विरोधी ताकतों के इशारों पर नाच रहे हैं। क्या सचमुच ऐसी बात है? क्या सचमुच स्टेट का मतलब राष्ट्र होता है? राहुल गांधी जब इंडियन स्टेट से लड़ाई की बात कह रहे थे तो क्या सचमुच उनके दिमाग में भारत राष्ट्र से लड़ाई की बात थी?

राहुल गांधी की इस बात को, आइए पूरे संदर्भ में समझने की कोशिश करें। भाजपा, आरएसएस से लड़ाई लड़ने की बात करते हुए जब उन्होंने इंडियन स्टेट को भी जोड़ा तो स्पष्ट था कि वे शासन के विभिन्न संस्थानों पर भाजपा और संघ के वर्चस्व के संदर्भ में बात कह रहे थे। 'स्टेट' से उनका मतलब चुनाव आयोग, सीबीआई जैसी लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं जिन पर भाजपा के कब्जे की बात राहुल गांधी ने कही है। यह मामला बयानबाजी तक ही सीमित नहीं है। इसे लेकर देश के अलग-अलग हिस्सों में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हुई हैं जिनमें कहा गया है कि राहुल गांधी ने भारत की संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालने का काम किया है। राहुल के इस बयान को संज्ञेय और गैर-जमानती काम भी बताया गया है।

राहुल गांधी तो इस मामले में लगभग चुप हैं, पर कांग्रेस पार्टी भाजपा और आरएसएस के इरादों पर ज़ोर-शोर से हमले कर रही है। कांग्रेस समेत राहुल गांधी का बचाव करने वालों का कहना है कि स्टेट का मतलब राष्ट्र नहीं होता। जब राहुल स्टेट के खिलाफ लड़ाई की बात कहते हैं तो उनका मतलब उन संस्थाओं के खिलाफ लड़ना है जो भारतीय जनता पार्टी के इशारों पर काम करती हैं। कांग्रेस इसे तार्किक मानती है। यदि स्टेट के खिलाफ लड़ने का मतलब राष्ट्र के खिलाफ लड़ाई है तो वे सब राष्ट्र-द्रोही कहलायेंगे जो न्यायालयों में सरकारी आदेशों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। सारे मामले अभियुक्त बनाम स्टेट ही होते हैं। यहां स्टेट का मतलब शासन-तंत्र है, राष्ट्र नहीं। हां, यह अवश्य हकीकत है कि सामान्य काम-काज, बातचीत में जब हम स्टेट कहते हैं तो इसका अर्थ सरकार ही समझा जाता है। पर इस बात को नजरंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए कि सरकार का अर्थ राष्ट्र नहीं होता है। भारत राष्ट्र-राज्य और भारत सरकार के बीच के अंतर को समझना ज़रूरी है– और अक्सर इस अंतर को समझा नहीं जाता।

बहरहाल, हमारे राजनेताओं को यह बात समझनी होगी कि अपनी कथनी और करनी में उन्हें सावधानी बरतने की आवश्यकता है। राहुल गांधी जब स्टेट से लड़ाई की बात करते हैं तो इस बात की पूरी संभावना है कि आम नागरिक लड़ाई को देश के विरुद्ध ही समझे। भले ही यह समझ गलत हो, पर इसका हर्जाना तो भरना ही पड़ता है। राहुल गांधी पहले भी इस तरह के हर्जाने भर चुके हैं, इसलिए उन्हें और अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। राजनीति में, और अन्यत्र भी, विरोधी ऐसी भूलों का लाभ उठाने से नहीं चूकते। और अक्सर इन भूलों की वे भारी कीमत चुकानी पड़ती है। यह बात अभी लोग नहीं भूले होंगे कि कांग्रेस के एक नेता ने प्रधानमंत्री मोदी के संदर्भ में 'नीची जाति' की जगह 'नीच जाति' बोल दिया था, और तब कांग्रेस को चुनाव में इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी थी। सम्बधित नेता दक्षिण भारत के थे और हिंदी बोलने में उन्हें कठिनाई आनी स्वाभाविक थी। विरोधियों ने उनकी इस कमज़ोरी का पूरा लाभ उठाया था। राजनीति के मैदान में असावधानी और कमज़ोरी में कोई विशेष अंतर नहीं होता। इस तरह की भूलें ही 'सेल्फ गोल' की भूमिका निभाती हैं। ऐसा ही कारनामा नेता प्रतिपक्ष ने तब भी किया था जब उन्होंने भारत में प्रजातंत्र की मृत्यु की बात कही थी। जनतांत्रिक संस्थानों को कमज़ोर किये जाने को प्रजातंत्र की मृत्यु नहीं कहा जा सकता। अपने वोट से सरकार बदलने की ताकत रखने वाला नागरिक स्वयं को अपमानित ही महसूस करेगा यदि उसे यह कहा जायेगा कि वह अपने मताधिकार का सही उपयोग नहीं कर रहा।

ऐसा नहीं है कि 'सेल्फ गोल' सिर्फ नेता प्रतिपक्ष ही करता है। हमारे बड़बोले नेता अक्सर यह अपराध कर बैठते हैं, और इससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह तथ्य है कि वे यह मानने के लिए तैयार नहीं हैं कि उनसे कभी ऐसा अपराध हो सकता है। यही नहीं, अक्सर हम देखते हैं कि हमारे नेता अपने बड़बोलेपन में ऐसा कोई अपराध करने के बाद बड़ी आसानी से यह कह देते हैं कि उन्हें गलत समझा गया अथवा उनका कहने का तात्पर्य यह नहीं था, अथवा उनकी बात को पूरे संदर्भ में नहीं समझा गया। पर हकीकत यही है कि हमारे नेता जाने-अनजाने ऐसे अपराध कर बैठते हैं और फिर क्षमा मांगने के नाम पर कह देते हैं कि यदि किसी को उनकी बात से चोट पहुंची है तो उन्हें इसका खेद है। माफी वे फिर भी नहीं मांगते, आधा-अधूरा खेद व्यक्त करना ही पर्याप्त समझते हैं।

कुछ अलग

कैसे करें नव वर्ष का स्वागत

नव वर्ष स्वागत है, उस कठिन सर्दी का जिसने पिछले वर्ष में पडने के सभी रिकार्ड तोड़ दिए। स्वागत है, सुबह-शाम पडने वाले उस धुंध और कोहरे का, विलम्ब से चलती गाडियों के साथ, रद्द उड़ानों के साथ और सुबह-शाम होती सडक़ दुर्घटनाओं के साथ जिसने आहतों की सुध-बुध के लिए समय पर कोई चौकस मसीहा भी नहीं दिया, क्योंकि सर्दी बहुत है और उसकी वजह से प्रशासन को ठंड लग गई है। बीता पिछला वर्ष बारिश के दिनों में अत्यधिक गर्मी और गर्मी के दिनों में धारासार बारिश झेलता रहा, क्योंकि उसका मुकाबला ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण प्रदूषण के विरुद्ध भाषणों से किया जाता रहा था। विश्व के मसीहाओं का किरदार यह था कि दुनिया का राजा भाई अमरीका उस सन्धि से हट गया। खेतीबाड़ी फिर मानसून का जुआ हो गई है और फसल उजड़े खेतों में किसान फिर उम्मीद भरी आंखों से आसमान की ओर देखते हुए गाते हैं, 'रब्बा-रब्बा मींह वरसा, साडी कोठी दाणो पा।' इससे साबित होता है कि हम अपनी लोक संस्कृति, लोक गीतों और परंपराओं से कितना जुड़े हुए हैं। अपनी हर समस्या का समाधन इन हृदयविदारक गीतों से करते हैं। पहली हरित क्रांति की शोभायात्रा में शामिल होने के बाद आज भी द्वितीय हरित क्रांति को शुरू नहीं कर पाते। स्वाधीनता की पौन सदी गुजर जाने के बाद आज भी देश का किसान विमल राय की पुरानी फिल्म 'दो बीघा जमीन' को फिर जीने के लिए अभिशप्त है।

जब भी कोई फसल सूखाग्रस्त होती है, हमारे पास उसका एक ही समाधान रहता है, विदेशों से आयात। आयात होता है, तो जमाखोरों और तस्करों की बन जाती है। मरी हुई फसल का बचा उत्पाद सोने का भाव बिकने लगता है, और इसके बाद कीमत के थोड़ा-सा गिरने पर ही सरकारी तंत्र को घोषणा करने का अवसर मिल जाता है कि देखिए हमने भरपूर कोशिश के बाद कीमतों पर नियंत्रण पाना शुरू कर दिया। सरकार के इन सद्प्रयासों की जनता प्रशंसा करे और बेहतर है कि जनता के इन कठिन दिनों में आम आदमी इन अनुपलब्ध वस्तुओं का प्रयोग ही बंद कर दे। भूख और आर्थिक दुर्दशा से मरने वालों की संख्या अगर बढ़ जाती है तो उसके खाते रखने का झंझट त्याग दिया गया है। आप जानते हैं झंझट से झंझट पैदा होता है। भूख से बेकार किसान-मजदूर की आत्महत्या गिनोगे तो उसका मुआवजा अदा करने का संकट पैदा हो जाएगा, जो देश के खाली खजाने के पास है नहीं, इसलिए ऐसी मौतों को अपच से हुई मौतों के खाते में डाल दो। यह खाली खजाना भी बहुत बड़ी समस्या है, साहिब, यह देश को सताती है। इसलिए हमारी विकास यात्रा रुक गई है। अधूरे फ्लाईओवर, अधबनी सडक़ें और ट्रैफिक जाम आम आदमी की नियति बन गए हैं। अर्थव्यवस्था का भाग्य संवारने वाली पंचवर्षीय योजनाएं हमारी विजय यात्रा पर अपनी असफलता से बदनुमा दाग न लगाएं, इसलिए फिलहाल इन शोभायात्राओं की शान बरकरार रखने के लिए हमने देश के योजनाबद्ध विकास को ही सोच-विचार के खाते में डाल दिया है। योजना आयोग को तोड़ कर नीति आयोग बना दिया है। योजना आयोग सफेद हाथी था, अतः उसे त्याग दिया। नीति आयोग बनाया है जो कि फिलहाल देश की आर्थिक दुर्दशा के पिछड़ेपन के इस मकडज़ाल से निकलने के लिए फिलहाल हमने एक साहसिक फैसला कर दिया कि अपना वित्तीय घाटा अनुमान बढ़ा कर तीन से साढ़े तीन प्रतिशत कर दो। नए वर्ष का स्वागत करना है, क्यों न इस घर फूंक तमाशे से ही करें।

देश दुनीया से

सुखदायी है 'चिल्ड्रन ऑफ दि स्टेट' योजना

हिमाचल प्रदेश के इतिहास में 06 अप्रैल, 2023 के दिन को ऐतिहासिक माना जाएगा जब राज्य विधानसभा ने हिमाचल प्रदेश सुखाश्रय (राज्य के बच्चों की देखभाल, संरक्षण और आत्मनिर्भरता) विधेयक 2023 को पारित किया गया। इस योजना का उद्देश्य निराश्रित बच्चों और अनाथों की देखभाल करना है। विधेयक में निराश्रित बच्चों और अनाथों को राज्य के बच्चे (चिल्ड्रन ऑफ दि स्टेट) के रूप में परिभाषित किया गया है और इन बच्चों की शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और भविष्य को सुरक्षित करने का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री सुक्खू के अनुसार हिमाचल प्रदेश ऐसा विधेयक पारित करने वाला भारत का पहला राज्य है तथा विधेयक के कार्यान्वयन के लिए पूर्ण बजट का प्रावधान भी किया गया है और इसके लिए 101 करोड़ रुपए की धनराशि निर्धारित की गई है। विधेयक के अनुसार अनाथ बच्चों को 27 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद उन्हें तीन बिस्वा जमीन और घर बनाने के लिए धन उपलब्ध कराया जाएगा। इसे मुख्यमंत्री अनाथ एवं बेसहारा बच्चों की मदद करने को मानवता और इनसानियत से जुड़ा हुआ मुद्दा करार देते हैं। विधेयक के प्रावधानों के क्रियान्वयन पर लगभग 272.27 करोड़ रुपए का व्यय आएगा। राज्य सरकार अनाथ और बेसहारा बच्चों को 18 वर्ष की आयु पार करने के बाद बाल देखभाल संस्थानों में दो साल तक रहने की व्यवस्था करेगी।

अपवादस्वरूप, ऐसे बच्चों को 23 वर्ष की आयु तक देखभाल संस्थानों में रखा जा सकेगा जहां ये संस्थान उनकी शिक्षा और रोजगार योग्य कौशल और प्लेसमेंट प्रदान करेंगे, जिससे उन्हें मुख्यधारा में फिर से शामिल होने में सुविधा होगी। हिमाचल में ऐसे अनेक अनाथ बच्चे हैं जिनकी देखभाल करने वाला कोई भी नहीं है। ऐसे अनाथ बच्चे या तो अनाथालयों में रहते हैं या फिर सडक़ के किनारे फुटपाथ पर रहते हैं। चूंकि अनाथ बच्चों का कोई भी सहारा नहीं होता है और वह यहां-वहां भटकते रहते हैं, ऐसे में कई बार उनके आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने की आशंका भी बनी रहती है। इस योजना में हिमाचल प्रदेश के मूल निवासी सिर्फ अनाथ बच्चों को ही शामिल किया जाएगा। हिमाचल प्रदेश की यह योजना अनाथ बच्चों के लिए शुरू की गई बहुत ही महत्वपूर्ण एवं कल्याणकारी योजना मानी जा रही है। ऐसी ही एक योजना केंद्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा बाल संरक्षण सेवा (चाइल्ड प्रोटेक्शन सर्विस-सीपीएस) योजना या 'मिशन वात्सल्य' शुरू की गई है। यह मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की संवेदनशील और दूरदर्शी सोच का ही नतीजा है कि सरकार ने इन बच्चों को 'चिल्ड्रन ऑफ दि स्टेट' का दर्जा प्रदान कर अभिभावक के रूप में इन्हें अपनाया है। मुख्यमंत्री का कार्यभार संभालते ही सीएम सुक्खू ने बेसहारा बच्चों को अपनाने का संकल्प लिया था। यह उनकी संवेदनशीलता का परिचायक भी है। हाल ही में मुख्यमंत्री ने चिल्ड्रन ऑफ दि स्टेट के पहले दल को 13 दिवसीय भारत भ्रमण पर रवाना किया था। इस दल में 22 बच्चों को भ्रमण पर भेजा गया था, जिनमें 16 लड़कियां और 6 लडक़े शामिल थे। इस दौरान बच्चों ने चंडीगढ़, दिल्ली और गोवा का भ्रमण किया। प्रदेश सरकार ने भ्रमण पर भेजे गए बच्चों के लिए विशेष प्रबंध किए थे ताकि वे आनंदपूर्वक अपना समय बिता सकें और मधुर स्मृतियों के साथ वापस लौटें।

उनकी आरामदायक यात्रा के लिए शताब्दी ट्रेन और हवाई यात्रा की व्यवस्था की गई थी। जब ये बच्चे भारत भ्रमण से वापस लौटे तो शिमला के जिलाधीश एवं पुलिस अधीक्षक ने उनका स्वागत किया और बच्चों के चेहरे पर संतोष की झलक स्पष्ट दिखाई दे रही थी और इसका श्रेय मुख्यमंत्री की कार्यशैली को जाता है। चिल्ड्रन ऑफ दि स्टेट (बच्चों) को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिह सुक्खू का कहना है कि इन अनाथ बच्चों का हिमाचल की संपदा पर बराबर अधिकार है। उनकी सरकार ही माता है और सरकार ही पिता है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार बाल आश्रम टूटीकंडी तथा मसली में 21-21, बालिका आश्रम मशोबरा में 88, ऑब्जरवेशन कम स्पेशल होम हीरानगर में 10, बालिका आश्रम दुर्गापुर में 39, बाल आश्रम रॉकवुड में 32, बाल आश्रम सराहन में 15, बालिका आश्रम सुन्नी में 11, शिशु गृह शिमला में 18, स्टेट होम मशोबरा में रह रहे 18 बच्चों व महिलाओं को त्योहार भत्ता भी दिया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में अनाथ बच्चों की व्यथा एवं परेशानी को समझते हुए कुछ एनजीओ एवं समाजसेवी संस्थाओं ने भी सहायता के लिए हाथ आगे बढ़ाए हैं जिनमें रिटायर्ड आईएएस अधिकारी राजेंद्र सिंह नेगी ने आरके शर्मा के सहयोग से आदर्श बाल निकेतन आश्रम के निर्माण पर 1.40 करोड़ रुपए की राशि खर्च कर एक अनूठी मिसाल कायम की है। जिला सिरमौर के पच्छाद विधानसभा क्षेत्र के बनी-बखोली पंचायत में अप्रैल 2018 में शुरू हुआ यह आश्रम 8839 स्क्वायर फीट में फैला हुआ है तथा इसमें 25 बच्चों को रखने की क्षमता है। वर्तमान में यहां 21 बच्चे रह रहे हैं। इसी प्रकार भूतपूर्व सैनिकों के अनाथ बच्चों को वित्तीय सहायता देने के लिए आरएमईडब्ल्यूएफ द्वारा सभी रैंकों के भूतपूर्व सैनिकों के 21 साल तक के अनाथ बेटों और अविवाहित बेटियों को हर महीने 3000 रुपए दिए जाते हैं। यूनिसेफ के अनुसार 2007 में भारत में लगभग 25 मिलियन अनाथ बच्चे थे। राज्य के 6000 अनाथ बच्चों के बारे में सोचना और उनके लिए एक दीर्घकालीन नीति बनाकर उसे योजनाबद्ध तरीके से क्रियान्वित करना मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की दूरदर्शी सोच एवं संवेदनशीलता को दर्शाता है। आशा की जा सकती है कि मुख्यमंत्री सुक्खू इसी प्रकार से कुछ और ऐसी नीतियां, कार्यक्रम और योजनाओं को सामने लाएंगे जिससे प्रदेशवासियों का हित होगा और हिमाचल प्रदेश उनके गतिशील नेतृत्व में आगे बढ़ेगा।

आप का नजरीया

दिवालियापन की ओर!

हम कई बार दोहरा चुके हैं कि देश पर करीब 200 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। चूंकि अब सरकार ने उसका ब्याज चुकाने को 10.61 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त कर्ज लिया है, तो स्थितियां स्पष्ट होने लगी हैं कि भारत सरकार पर आंतरिक कर्ज का बोझ कितना है? विदेशी कर्ज भी लाखों करोड़ रुपए में है, जिसका ब्याज चुकाने के लिए भी कर्ज मांगना पड़ रहा होगा। यह एक राष्ट्रीय यथार्थ सामने आया है। यदि कोई और आयाम है, तो भारत सरकार को स्पष्ट करना चाहिए। भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और हम तीसरी बनने की ओर अग्रसर हैं। ऐसे बयान गोल-गपाड़े लगते हैं, क्योंकि असल में देश दिवालियापन की ओर बढ़ता दिखाई देता है। चूंकि हमारे जीडीपी का आकार बड़ा और व्यापक है, लिहाजा हम बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, लेकिन हम कर्जमुक्त अर्थव्यवस्था नहीं हैं। देश की सत्ता और उसके प्रवक्ता अमरीका का उदाहरण न दें कि वह भी कर्जदार देश है। दरअसल उसकी अर्थव्यवस्था 25-26 ट्रिलियन डॉलर की है। भारत से करीब 6 गुना अधिक..! भारत का बजट ही 45-50 लाख करोड़ रुपए का है और उसका चौथाई हिस्सा कर्ज का ब्याज चुकाने में खर्च हो जाए और उसके लिए भी एक और कर्ज लेना पड़े, तो कैसे माना जा सकता है कि हम बड़ी अर्थव्यवस्था के देश हैं और 'विकसित देश' बनने की ओर बढ़ रहे हैं? भारत अब भी विकासशील और गरीब देश है, लिहाजा 81 करोड़ लोगों को 'मुफ्त अनाज' बांटना पड़ रहा है। यह सबसे बड़ी 'रेवड़ी' है। हमने यह मुद्दा इसलिए उठाया है, क्योंकि आजकल दिल्ली चुनाव में 'रेवडियां' बांटने और वोट उगाहने की प्रतिस्पद्र्धा जारी है। दिल्ली का बजट 76,000 करोड़ रुपए का है। यदि तमाम घोषित 'रेवडियां' मुहैया कराई जानी हैं, तो दिल्ली सरकार को करीब 32,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त जरूरत पड़ेगी। इतनी पूंजी कहां से लाएगी दिल्ली सरकार? बजट में 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का व्यय वेतन-भत्तों और पेंशन आदि पर हो जाता है। मौजूदा वित्त-वर्ष में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 5919 करोड़ रुपए से कुछ अधिक ही आवंटित किए जा सके हैं। 1993 के बाद पहली बार बजट में घाटा दिख रहा है। सरकार 'आप', भाजपा या कांग्रेस की बने, लेकिन तीनों ने जितनी 'रेवडियों' की घोषणा कर रखी है, उन्हें मुहैया कराने को कमोबेश 25,000 करोड़ रुपए की जरूरत पड़ेगी। अद्र्धराज्य की सरकार इतने आर्थिक संसाधन कहां से लाएगी? भाजपा के लिए अब चुनावी वैचारिकता नेपथ्य में चली गई है। हर रोज एक नई 'रेवड़ी' की घोषणा या तो भाजपा करती है अथवा 'आप' करती है। 'रेवडियां' ही चुनाव का आदर्श मॉडल बन गई हैं। दोनों पक्षों में होड़ मची है कि कौन आम आदमी को ज्यादा आलसी और नकारा बना सकता है? 'रेवडियों' की इस संस्कृति के कारण ही तमिलनाडु पर सर्वाधिक 9 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है। देश के सबसे बड़े राज्य, भाजपाशासित, उप्र पर कर्ज बढक़र 8.57 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। एक और बड़े राज्य, भाजपा-महायुति शासित, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई वाले राज्य, महाराष्ट्र का कर्ज भी 8 लाख करोड़ रुपए की ओर बढ़ रहा है। ये कर्जदार हालात सभी राज्यों के हैं।

महिलाओं-बच्चों के सशक्तिकरण से ही देश-प्रदेश होगा मजबूत : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाएं हमारी आधी आबादी हैं और बच्चे हमारे भविष्य की नींव हैं। उनके विकास और सशक्तिकरण से ही हमारा देश-प्रदेश मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने, उनके स्वास्थ्य एवं गुणवत्तापूर्ण पोषण सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। साथ ही, राज्य सरकार महिला सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा गुरुवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में महिला एवं बाल विकास विभाग की *सशक्त नींव-उज्ज्वल भविष्य* की थीम पर आयोजित आमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बच्चों को सशक्त बनाने में महिला एवं बाल विकास विभाग महत्वपूर्ण कड़ी है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विभागीय योजनाओं का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिक पूर्ण जिम्मेदारी, पारदर्शिता और निष्ठा से काम करते हुए योजनाओं का लाभ धरातल तक सुनिश्चित करें। साथ ही, नवीनतम तकनीक एवं नवाचारों से खुद को अपडेट रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के लगभग 43 लाख बच्चों और महिलाओं को आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से पोषाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। पोषाहार की गुणवत्ता के लिए ओटीपी आधारित प्राप्ति तथा चेहरे से पहचान जैसे नवाचार किए गए हैं। मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के माध्यम से बच्चों को अतिरिक्त पोषण के रूप में गर्म दूध उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को नियमित रूप से खोलने एवं बच्चों को निर्धारित समय सारिणी के अनुसार गतिविधियां कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत सुविधाओं में सुधार के लिए भामाशाहों, एनजीओ और सीएसआर भागीदारों का सहयोग लें। साथ ही, भामाशाहों की सूची आंगनबाड़ी केंद्रों एवं कार्यालयों के बाहर लगाएं जिससे बाकी लोग भी प्रेरित हों। शर्मा ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, वन स्टॉप सेंटर, सखी केंद्र, उद्यम प्रोत्साहन योजना, वर्क फ्रॉम होम योजना, शिक्षा सेतु योजना, अमृता हाट योजना एवं मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह अनुदान योजना शामिल हैं। महिला हेल्प लाइन नंबर 181 का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि काली बाई भील उड़ान योजना को पूर्ण पारदर्शिता से लागू कर पात्र लाभार्थी किशोरियों को समय पर सेनेटरी पैड उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई *बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ* योजना से बालिकाओं के प्रति समाज की सोच में सकारात्मक बदलाव आया है एवं बाल लिंगानुपात तथा बालिका शिक्षा में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लाडो प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। इसमें बालिका के जन्म से उसके स्नातक तक की शिक्षा पूरी करने तक एक लाख की राशि की सहायता का प्रावधान किया गया है। राज्य सरकार कर्मचारियों के हित के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। विभागीय रिक्त पदों को जल्द भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि से लगभग 1.50 लाख महिला मानदेयकर्मी लाभान्वित हुई हैं। उपमुख्यमंत्री और महिला एवं बाल विकास मंत्री दीया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में बच्चों एवं महिलाओं के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। जिससे समाज में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पर्यवेक्षक, विभागीय अधिकारियों सहित विभिन्न कार्मिकों से संवाद किया। उन्होंने कार्मिकों से योजनाओं के संचालन की जमीनी स्तर पर जानकारी, उनकी कार्यशैली सहित विभिन्न पहलूओं पर बात की। उन्होंने कार्मिकों को अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण भाव से काम करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आईसीडीएस फील्ड कार्मिक प्रशिक्षण के लिए धौलपुर में स्किल लैब का वर्चुअल उद्घाटन किया। नवीनतम तकनीक से लैस इस स्किल लैब के शुभारंभ से आईसीडीएस कार्मिकों के प्रशिक्षण में सुविधा मिलेगी। इससे संबंधित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। साथ ही, सखी वन स्टॉप सेंटर 181 के पोस्टर, डीबीटी के साथ व्यवहार परिवर्तन की रणनीति के पोस्टर तथा कालीबाई भील उड़ान योजना की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। उन्होंने सेल्फी बूथ पर फोटो भी खिंचवाई। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के संचालन में उत्कृष्ट कार्मिकों का सम्मान भी किया गया। मुख्यमंत्री ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तथा बाल विवाह को रोकने के लिए उपस्थित जनसमूह को शपथ भी दिलवाई। इस दौरान शासन सचिव महिला एवं बाल विकास महेन्द्र सोनी, निदेशक आईसीडीएस ओपी बुनकर सहित वरिष्ठ अधिकारी, विभागीय कार्मिक एवं बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पर्यवेक्षक, साथिन उपस्थित रहे।

अवैध निर्माण ढहाने गई टीम पर पथराव, डयूटी मजिस्ट्रेट से हाथापाई

नूंह (हिंस)। जिला के खंड पुन्हाना में अवैध कालोनियों में निर्माणों को गिराने गई डीटीपी की टीम पर महिलाओं ने पथराव कर दिया। इस पथराव में जेसीबी मशीन में भी तोड़मोड़ की गई। साथ ही मौके पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट के साथ महिलाओं ने हाथापाई की। पुलिस ने इस उपद्रव में एक महिला को गिरफ्तार किया। अवैध निर्माणों की तोड़मोड़ के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए जिला नगर योजनाकार बिनेश कुमार ने बताया कि पुन्हाना के डुडौली, ठेक व पटाकपुर में विभाग को काफी समय से अवैध निर्माणों की सूचना मिल रही थी। भूमाफियाओं द्वारा अवैध कॉलोनी काटकर वहां पर निर्माण कराया जा रहा है। इस सूचना पर पुलिस सुरक्षा के बीच वे अवैध निर्माणों को ढहाने के लिए जेसीबी लेकर पहुंचे। गांव पटाकपुर में करीब सात एकड़ जमीन से रास्तों व डीपीसी को तोड़ा गया। इसी तरह से गांव डुडौली क्षेत्र में भी करीब पांच एकड़ जमीन में काटी जा रही कालोनियों में निर्माण तोड़े गए। टीम जब ठेक गांव में निर्माण तोडने पहुंची तो काफी संख्या में महिलाएं जेसीबी के सामने आ गईं।

सूचना सहायक की नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे : कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर (हिंस)। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया कि सूचना सहायक भर्ती परीक्षा 2023 के अंतर्गत 3415 अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जाएगा। कर्नल राठौड़ ने अभ्यर्थियों को आश्वस्त किया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष से इस विषय पर चर्चा की जाएगी और न्यायालय में लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण कर नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा अधिसूचित अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन 18 नवंबर, 2024 से 20 दिसंबर, 2024 तक किया गया। साथ ही अनुपस्थित अभ्यर्थियों को 13 जनवरी, 2025 को एक और अवसर दिया गया। विभाग के तकनीकी निदेशक एवं संयुक्त सचिव संजय जगदीश कार्णिक ने बताया कि न्यायालय के विभिन्न अंतरिम आदेशों के अनुसार 84 अभ्यर्थियों और 109 पूर्व में स्क्रूटनी फॉर्म न भरने वाले अभ्यर्थियों को मिलाकर कुल 193 अभ्यर्थियों के लिए 14 जनवरी से 19 जनवरी, 2025 तक स्क्रूटनी फॉर्म भरने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि दिव्यांग श्रेणी और उत्कृष्ट खिलाड़ी श्रेणी के अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत प्रमाणपत्रों की जांच भी समांतर रूप से की जा रही है। ऐसे में स्क्रूटनी फॉर्म भरने वाले सभी अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन पूरा होने के बाद नियुक्ति प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सूचना सहायक भर्ती प्रक्रिया में कुछ विधिक बाधाएं आ रही हैं, जिन्हें दूर करने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास किए जा रहे हैं।

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में 41 पुलिस निरीक्षक के हुए तबादले

जयपुर (हिंस)। जयपुर पुलिस कमिश्नर ने बुधवार गुरुवार के मध्य रात्रि आदेश जारी करते हुए 41 पुलिस निरीक्षकों के तबादले किए है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ के जारी किए आदेश के अनुसार पुलिस निरीक्षक महेश शर्मा को बस्सी, श्री राम मीणा को तुंगा, धर्मेंद्र शर्मा को एसएमएस, आशुतोष को गांधीनगर, महावीर यादव को करणी बिहार, मनीष शर्मा को, भारत लाल मीणा को बिंदायका, श्याम सुंदर को सिंधी कैंप, वीरेंद्र कुरील को बनी पार्क, लाखन सिंह को करधनी, कविता को कालवाड़, सवाई सिंह को मुरलीपुरा, नंदलाल को दौलतपुरा, मनोहर लाल को चाकसू, हवा सिंह यादव को शिवदासपुरा, उदय सिंह शेखावत को कोटखावदा, इंदु शर्मा महिला थाना दक्षिण, कैलाश चंद बिश्नोई को अशोकनगर, संतरा मीणा को ज्योति नगर, बनवारी लाल विधायक पुरी, गुंजन वर्मा को महेश नगर, महेंद्र सिंह को शास्त्री नगर, मुकेश को मीणा को भट्टा बस्ती, रतन सिंह को नाहरगढ़, एकता राज को महिला थाना (उत्तर), राजेश गौतम को ब्रह्मपुरी, मंजू कुमारी को पर्यटक थाना, पूनम कुमारी को मेट्रो, माधो सिंह को सड़क दुर्घटना अनुसंधान इकाई (पश्चिम), नवरत्न धोलिया को यातायात निरीक्षक (तृतीय) उत्तर क्षेत्र, गौतम डोटासरा को यातायात निरीक्षक (प्रथम) दक्षिण क्षेत्र, राजीव यदुवंशी को यातायात निरीक्षक(द्वितीय) पूर्व क्षेत्र, रमेश पारीक को यातायात निरीक्षक (तृतीय) पूर्व क्षेत्र, दिलीप कुमार सोनी को सड़क दुर्घटना अनुसंधान इकाई(उत्तर) मनोज बेरवाल को सड़क दुर्घटना अनुसंधान इकाई (दक्षिण), उमेश बेनीवाल को सड़क दुर्घटना अनुसंधान इकाई (पूर्व) का ट्रांसफर किया गया है।

अंतिम संस्कार से पहले चलने लगी विवाहिता की सांसें, दो बार मृत घोषित

पाली (हिंस)। जिले के जाडन गांव में चाय बनाती एक महिला अचानक अचेत हो गई। परिजन हॉस्पिटल ले गए। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन उसे घर ले गए। वहां उसकी सांस चलने लगी। परिजन आनन-फानन में महिला को दोबारा हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने दोबारा उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के रिश्तेदार दलाराम ने बताया कि जाडन निवासी रिश्तेदार केवलचंद की पत्नी गुड्डी (25) मिट् ?टी के चूल्हे पर चाय बना रही थी। चाय बनाते वह बैठे-बैठे ही लुढ़क गई। परिजन उसे जाडन हॉस्पिटल ले गए। जहां उसे ड्यूटी डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घर में कोहराम मच गया। गुड्डी 25 साल की थी। तीन महीने पहले उसने बेटी को जन्म दिया था। उसकी अचानक मौत से परिवार में

मातम पसर गया। मौत के बाद सारी रस्में की जाने लगी। अंतिम संस्कार से पहले दोपहर में महिलाएं मृतका को स्नान कराने की रस्म कर रही थी। इस दौरान एक महिला ने कहा कि गुड्डी की सांसें चल रही हैं। सभी महिलाओं ने चेक किया तो गुड्डी सांस ले रही थी। महिलाओं ने घर के पुरुषों को यह बात बताई। पति केवलचंद ने चेक किया तो बात सच थी। परिजन गुड्डी को लेकर दोपहर में ही पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। जहां जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस भी हॉस्पिटल पहुंची और परिजनों से मामले की जानकारी ली। बांगड़ हॉस्पिटल के डॉक्टर रोयमोन जोसफ ने बताया कि जब मरीज को यहां लाया गया, तब वह मृत थी। रिश्तेदार दलाराम ने बताया कि गुड्डी ने तीन महीने पहले ही बेटी को जन्म दिया था। उसके एक पांच साल की बेटी गुंजन और चार साल का लड़का भी है। मृतका का पति केवलचंद मजदूरी करता है। केवलचंद और गुड्डी की शादी करीब सात साल पहले हुई थी। झुंझुनूं में भी दो महीने पहले ऐसा ही वाक्या हुआ था। वहां मां सेवा संस्थान के बगड़ स्थित आश्रय गृह में रहने वाले रोहिताश (25) की तबीयत बिगड़ गई थी। रोहिताश अनाथ और मूकबधिर था। रोहिताश को तबीयत बिगड़ने पर झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को एंबुलेंस से श्मशान घाट ले जाए गया था। यहां रोहिताश की बॉडी को चिता पर रखा तो उसकी सांस चलने लगी और शरीर हिलने लगा। यह देखकर वहां मौजूद सभी लोग डर गए। इसके बाद तुरंत एंबुलेंस बुलाकर रोहिताश को अस्पताल ले गए। उसे आईसीयू वार्ड भर्ती किया गया लेकिन जान नहीं बची। इस मामले में जिला कलेक्टर ने बीडीके हॉस्पिटल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी सहित तीन डॉक्टर्स को निलंबित कर दिया था।

नीतीश सरकार में औद्योगिक विकास की नई उड़ान भर रहा है बिहार : उमेश सिंह कुशवाहा

पटना (हिंस)। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने शासनकाल में सुशासन के साथ-साथ बुनियादी ढांचों को सुदृढ़ कर प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण स्थापित किया है, जिसका सुखद परिणाम है कि आज हमारा बिहार औद्योगिक विकास की नई उड़ान भर रहा है। उमेश सिंह कुशवाहा ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि विगत 2 वर्षों के दौरान बिहार में 2, 300 से अधिक छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयां स्थापित हुई हैं, जिसके माध्यम से करीब 70 हजार लोगों को सीधा रोजगार से जोड़ा गया है। उद्योग अनुकूल नीतियां, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, स्किल्ड मैनपॉवर, सड़कों की शानदार कनेक्टिविटी और निर्बाध बिजली की उपलब्धता के कारण बिहार आज निवेशकों के लिए पहली पसंद बना है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बीते वर्ष दिसंबर में आयोजित बिहार बिजनेस कनेक्ट में निवेशकों के साथ तकरीबन 1 लाख 81 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्रीनीतीश कुमार *विकसित बिहार* की सोच को निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। औद्योगिक विकास के क्षेत्र में अब बिहार लंबी छलांग लगाने की तैयारी कर चुका है। दूसरी ओर राजद के शासनकाल में फिरौती के लिए अपहरण को उधोग का मिला दर्जा प्राप्त था। निवेशक आना तो दूर की बात, भय के कारण डॉक्टर, इंजीनियर और व्यवसायी वर्ग बिहार से पलायन करने पर मजबूर हो गए थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से पूर्व बीमारू राज्य वाला बिहार आज विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

हमारे देश का इतिहास सही अर्थों में सामने नहीं रखा गया : प्रो कपिलदेव मिश्र

प्रयागराज (हिंस)। इतिहास महज कथा, कहानियों का पुलिंदा नहीं है। जिस देश का इतिहास सच्चा होगा, उस देश का युवा भी सच्चा और निर्भीक होगा। हमारे देश का इतिहास सही अर्थों में देश के सामने नहीं रखा गया है। भारत का इतिहास ऐसा इतिहास है जो एक रिक्शा चालक से लेकर पढ़ा लिखा व्यक्ति तक दोहराता है। इसकी गूंज अनुगूंज संसद से सड़क तक है। उक्त विचार महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय सतना, मध्य प्रदेश के प्रो. कपिल देव मिश्र ने बतौर मुख्य अतिथि यूजीसी मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, ईश्वर शरण पीजी कॉलेज में *रेफ्रेशर कोर्स इन हिस्ट्री : इमर्जिंग ट्रेंड ऑन इन हिस्टोरिकल स्टडीज* पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में व्यक्त किया। जो 23 जनवरी से शुरू होकर 12 फरवरी तक चलेगा। उन्होंने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय संस्कृति को लेकर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। इसमें गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी, शोषण आदि सभी समस्याएं समाहित है। इन सभी का समाधान केवल एक है, वह विषय है *इतिहास का अध्ययन* इतिहास को समग्रता से देखने की आवश्यकता है। जिसमें सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और पर्यावरणीय चेतना है। प्रो. मिश्र ने कहा कि भारत एक समय सोने की चिड़िया कहा जाता था। जो विश्व में उत्पादन होता था, उसमें 24 प्रतिशत भारत का

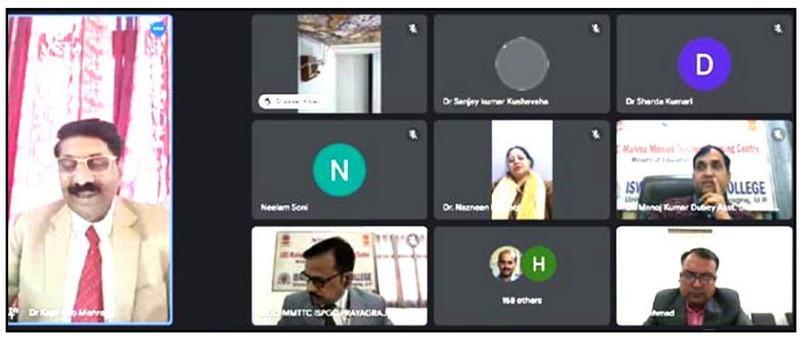

होता था। भारतीय इतिहास का अत्यंत स्वर्णमयी काल रहा है। राष्ट्र का इतिहास केवल युद्ध और उसका वर्णन द्वारा पूर्ण नहीं होता। भारतीय ज्ञान परंपरा इतिहास की धरोहर है। यह स्थावर हो या जंगम हो, चेतन हो या जड़ हो सब में ईश्वर का वास होता है। आध्यात्मिकता भारत की आत्मा है। जिसमें धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष समाहित है, यही इतिहास है। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को वैज्ञानिक तरीके से देखने और समझने की जरूरत है। इतिहास के आइने में भारत अपनी प्राचीनता और भारतीय ज्ञान परंपरा का अद्वितीय उदाहरण है। हमें इतिहास, पर्यावरण, कृषि और संस्कृति का गहन ज्ञान होना चाहिए। हमें मैक्समूलर और गांधी को पढ़ना चाहिए। इतिहास में दलित और कुचले गए लोगों को मुख्यधारा में लाना होगा। तब इतिहास और मजबूत होगा। इतिहास अपने आप में एक गौरवशाली विषय है। इस पर जब भी इतिहास का विद्यार्थी बात करेगा वह अन्य से बिल्कुल भिन्न होगा। इतिहास अपनी ओर खींचता है। पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में अतिथियों का स्वागत और विषय प्रवर्तन कार्यक्रम के संयोजक प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जमील अहमद ने किया। कार्यक्रम की विधिवत जानकारी असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. मनोज कुमार दुबे ने दी। आभार मध्यकालीन इतिहास विभाग के सहायक आचार्य और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के सह संयोजक डॉ. रेफाक अहमद ने किया। इस अवसर पर देश के विविध राज्यों से लगभग 200 से अधिक प्राध्यापक और गणमान्य उपस्थित रहे।

सनातन बोर्ड गठन को संत सम्मेलन में ऐसी आवाज उठे कि दिल्ली व लखनऊ तक पहुंचे गूंज : रविंद्र पुरी

महाकुंभ नगर (हिंस)। सनातन बोर्ड के गठन को लेकर महाकुंभ में 27 जनवरी को होने वाले संत सम्मेलन से ऐसी आवाज उठे कि दिल्ली एवं लखनऊ तक पहुंचे। यह बात गुरुवार को मीडिया से वार्ता करते हुए अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज ने कहा। उन्होंने कहा कि विश्व के सबसे बड़े आचार्य कथा वाचक देवकी नंदन ठाकुर के शिविर में होगी। महाकुंभ के सेक्टर 17 में देवकी नंदन ठाकुर का शिविर है। जहां 27 जनवरी को होने वाले संत सम्मेलन में सभी अखाड़ों के प्रमुख संत एवं सन्यासी शामिल होगे। मै सभी सनातनियों से अपील करता हूं कि इस धर्म संसद में अवश्य पहुंचे। पूरे विश्व के सनातनियों के यह चाहत है कि सनातन बोर्ड का इस देश में गठन हो। इसके साथ ही सनातनियों के मंदिरों को स्वतंत्र किया जाए। मेरी ऐसी चाहत है कि इस बोर्ड के गठन में छोटे-छोटे सभी देवी देवताओं के मठ मंदिरों का संरक्षण किया जाए। ऐसे छोटे-छोटे मंदिरों पर अवैध तरह से कब्जा न किया जाए। ऐसा प्रावधान किया जाए। जहां आधुनिक शिक्षा प्रणाली के साथ गुरुकुल की स्थापना हो सके। इसके साथ ही देश में सनातनी संपत्तियों को कब्जा करने का देश में लागू किए गए वक्फ बोर्ड को पूरी तरह से समाप्त किया जाए। आनंद पीठाधीश्वर बालकानंद गिरि महाराज ने कहा कि सनातन की सुरक्षा के लिए बोर्ड का गठन होना आवश्यक है। जूना अखाड़े के आचार्य महामण्डलेश्वर जितेन्द्रानन्द गिरि महाराज कहा कि देवकी नंदन ठाकुर ने सनातन धर्म के लिए बड़ी आवाज उठाई है। यह दबनी नहीं चाहिए। इन्होंने सनातन बोर्ड का प्रारूप भी तैयार कर लिया गया है। जिसे 27 जनवरी को होने वाले संत सम्मेलन में रखा जाएगा और इसे पास किया जाएगा। प्रसिद्ध कथा वाचक देवकी नंदन ठाकुर ने मीडिया से कहा कि 27 जनवरी को धर्म की स्वतंत्रता के लिए संत सम्मेलन बुलाया गया है।

विपक्ष बिना मुद्दों के मुद्दें तलाश रहा : राठौड़

जोधपुर (हिंस)। पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ का कहना है कि विपक्ष बिना मुद्दों के मुद्दे तलाश रहा है। उनके पास में मुद्दे नहीं है। प्रदेश की सरकार एक साल से अच्छा कार्य कर रही है। वे आज जोधपुर में शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़ के पुत्र की शादी में शरीक होने आए और यहां मीडिया से बातचीत कर रहे थे। पूर्व प्रतिपक्ष नेता राठौड़ ने यह भी कहा कि स्कूलों को मर्ज नहीं किया गया है। जिन स्कूलों में शून्यता है उन्हें नजदीक की अन्य स्कूल में अनुपातिक रूप से ठीक किया गया है। स्कूलों को समाप्त नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार का कार्य मुख्यमंत्री स्वविवेक आधारित है। मीडिया से बातचीत के बाद पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ सीधे शेगरढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ के पुत्र की शादी में शरीक होने के लिए रवाना हो गए। यहां पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उनका अभिनंदन किया गया।

वाराणसी में सरकारी संपत्तियों पर बने हैं मस्जिद, मजार, इमामबाड़ा व कब्रिस्तान : सर्वे

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में स्थित कई मस्जिद, मजार, कब्रिस्तान और इमामबाड़े सरकारी सम्पतियों पर बने हुए हैं। इसमें नदेसर की चर्चित जामा मस्जिद भी है। जामा मस्जिद तालाब की जमीन पर बनी है। राज्य शासन के निर्देश पर जिला प्रशासन के सर्वे में यह मामला सामने आया है। इन सम्पत्तियों को वक्फ बोर्ड ने अपने रजिस्टर में दर्ज भी किया है। एडीएम (वित्त एवं राजस्व) वंदिता श्रीवास्तव के अनुसार वाराणसी में सरकार की 406 संपत्तियों को वक्फ बोर्ड अपना बताती है। ये गाटावार सर्वे बीते वर्ष के अक्टूबर से दिसंबर माह में हुआ। सर्वे में तहसील प्रशासन के साथ राजस्व कर्मी शामिल रहे। अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन ने पूरी सर्वे रिपोर्ट राज्य शासन के अलावा हाईकोर्ट के आदेश पर गठित कमेटी के पास भी भेजा है। इसमें बताया गया है कि इन सम्पत्तियों का विवरण खतौनी

में गाटा संख्या के नाम पर है। सर्वे के दौरान दस्तावेजों के आधार पर वक्फ बोर्ड की सम्पतियों की जानकारी जुटाई गई। इसमें खास तौर पर कितनी सरकारी संपत्ति को वक्फ बोर्ड ने अपनी संपत्ति बताई है। इन सभी भूभाग की स्थलीय निरीक्षण में उसकी वर्तमान स्थिति भी देखी गई कि वहां मस्जिद, कब्रिस्तान, मजार है या आबादी है। वक्फ बोर्ड के रजिस्टर में कुल 406 संपत्ति ऐसी दर्ज हैं, जो राज्य सरकार की संपत्ति है। इसमें बंजर जमीन, आबादी की जमीन, तालाब, खेत, चारागाह की जमीन भी हैं। वर्ष 1359 के खसरा खतौनी के आधार पर नगर निगम और तहसील प्रशासन ने सर्वे कराया। इस दौरान जानकारी सामने आई कि राजस्व विभाग के खसरा खतौनी में ये सम्पत्तियां अपने मूल नाम से ही हैं। खास बात यह है कि किसी भी संपत्ति पर वक्फ बोर्ड ने अपना नाम नहीं चढ़वाया है। ऐसे में इन सभी संपत्तियों को रजिस्टर से खारिज कराने के लिए प्रशासन की ओर से लखनऊ वक्फ बोर्ड को पत्र भेजा जाएगा। जिले में वक्फ बोर्ड के नाम पर 1637 संपत्ति उनके रजिस्टर में दर्ज हैं। इसमें 1537 सुन्नी वक्फ बोर्ड और 100 शिया बोर्ड के नाम पर है। पिछली सरकारों के उदासीनता के चलते सरकारी जमीन को भी शिया और सुन्नी वक्फ बोर्ड ने अपनी संपत्ति घोषित कर दिया। वाराणसी जिले में कुल 1637 वक्फ संपत्तियों में से सर्वे रिपोर्ट के अनुसार 406 सरकारी संपत्ति है। खास बात यह है कि वाराणसी कलेक्ट्रेट स्थित मजार राजस्व परिषद की भूमि पर है। एडीएम वंदिता श्रीवास्तव के अनुसार शासन से आदेश मिलते ही कार्रवाई की जाएगी।

बिहार-बंगाली समिति ने मनाई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती

अररिया (हिंस)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128 वीं जयंती बिहार बंगाली समिति की ओर से फारबिसगंज सुभाष चौक स्थित आदमकद प्रतिमा के पास मनाई गई। मौके पर विधायक विद्यासागर उर्फ मंचन केशरी, मुख्य पार्षद वीणा देवी समेत शाखा के सभी अधिकारी व सदस्यों ने गुरुवार को सुभाष चौक पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए विधायक ने कहा की महान क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी नेताजी का जन्म उड़ीसा के कटक में 23 जनवरी 1897 को हुआ था। सन 1919 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद वे आईसीएस की परीक्षा में भाग लेने के लिए इंगलैंड गए और परीक्षा में उत्तीर्ण होने के साथ चौथा स्थान भी प्राप्त किया। जबकि 1921 में इन्होंने अंग्रेजों की नौकरी से इस्तीफा दे दिया। बताया कि 1942 में इन्होंने आजाद हिंद फौज की स्थापना की और अस्थाई स्वतंत्र सरकार की स्थापना कर आजादी प्राप्त करने के संकल्प को साकार किया। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा यह उनका प्रसिद्ध नारा था। जय हिंदू जैसे नारों से वे देश के लाखों क्रांतिकारियों के दिलों की धड़कन बने। इस मौके पर विधायक, मुख्य पार्षद के अलावे सचिव डॉ. एस के लाहा, तमाल सेन, कोषाध्यक्ष प्रसेनजीत चौधरी, सुब्रतो मुखर्जी, शिवानी सिंह, विश्वजीत चौधरी, कंचन विश्वास, मनोज साह, ललन कर्मकार, अश्विनी वर्मा, दीपक राम, मिथिलेश तिवारी सहित अन्य मौजूद थे।

महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार सोने के भाव में जोरदार तेजी नजर आ रही है। सोना 750 रुपये से लेकर 860 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। हालांकि चांदी की कीमत में लगातार दूसरे दिन कोई बदलावन नहीं हुआ है।

सोने की कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये से लेकर 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये से लेकर 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु भी 96,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 75,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 75,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ही बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

सीसीपीए ने आईफोन के प्रदर्शन संबंधी मुद्दों पर एप्पल को जारी किया है नोटिसः जोशी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को कहा कि उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने आईओएस 18+ सॉफ्टवेयर अपडेट के बाद आईफोन के साथ कथित प्रदर्शन समस्याओं के संबंध में एप्पल इंक को नोटिस जारी किया है। जोशी ने एक्स पोस्ट में कहा, उपभोक्ता शिकायतों की जांच करने के बाद विभाग ने सीसीपीए के माध्यम से एप्पल को नोटिस जारी कर मामले पर जवाब मांगा है। इस नोटिस में सॉफ्टवेयर अपडेट के साथ कथित तकनीकी समस्याओं के बारे में एप्पल से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उल्लेखनीय है कि आईओएस 18+ सॉफ्टवेयर अपडेट के बाद एप्पल के प्रदर्शन संबंधी मुद्दों के बारे में राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर शिकायतें प्राप्त हुई हैं। यह नोटिस भारत में प्रौद्योगिकी दिग्गज के संचालन की नवीनतम विनियामक जांच को दर्शाता है, जो स्मार्टफोन निर्माताओं के लिए एक प्रमुख विकास बाजार है।

अमेजान ने सात गोदाम बंद करने का किया ऐलान, 1700 नौकरियां खतरे में

मुंबई। ऑनलाइन रिटेलर अमेजन ने कहा कि वह आने वाले दो महीने में कनाडा के क्यूबेक में अपने सभी सात गोदामों को बंद कर देगा। अमेजन का कहना है कि इस फैसले के बाद लंबे समय तक उनके कस्टमर्स की बचत होगी। हालांकि, कनाडाई संघ ने अमेजन पर आरोप लगाया है कि उसने क्षेत्र में अपनी कोशिशों को रोकने के कारण गोदामों को बंद करने का निर्णय लिया है। संघ ने यह भी कहा कि उन्होंने एक गोदाम को सफलतापूर्वक संघबद्ध किया है। अमेजन के अनुसार, इस फैसले से ग्रेटर मॉन्ट्रियल क्षेत्र में लगभग 1,700 लोगों की नौकरियां प्रभावित होंगी, जिनमें से 250 कर्मचारी अस्थायी तौर पर काम कर रहे हैं। अमेजन की तरफ से जानकारी दी गई कि पैकेज को बांटने के लिए स्थानीय और तीसरे पक्ष की कंपनियों को नियुक्त करेगा। अमेजन की ओर से 2020 से पहले क्यूबेक में जिस बिजनेस मॉडल को फॉलो किया गया था, वो उसे फिर से इस्तेमाल करेगा। अमेजन एक प्रवक्ता के मुताबिक ये फैसला यूं ही नहीं लिया गया। उन्होंने बताया कि इस फैसले के बाद प्रभावित कर्मचारियों को एक पैकेज दिया जाएगा। इस पैकेज में सुविधाओं के बंद होने के बाद 14 हफ्ते तक का वेतन दिया जाएगा। साथ ही नौकरी प्लेसमेंट संसाधनों जैसे लाभ को भी इसमें शामिल किया गया है।

सरकार को बजट में संरचनात्मक सुधारों के लिए राजनीतिक पकड़ का उपयोग करना चाहिएः सुब्बाराव

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी. सुब्बाराव ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 3.0 सरकार को वृद्धि तथा रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए आगामी बजट में राजनीतिक रूप से कठिन संरचनात्मक सुधारों को लागू करने के लिए अपनी विशाल राजनीतिक पकड़ का इस्तेमाल करना चाहिए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को वित्त वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट संसद में पेश करेंगी। यह बजट वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं तथा धीमी पड़ती घरेलू वृद्धि के बीच आ रहा है। सुब्बाराव ने एक साक्षात्कार में कहा कि यह राजग 3.0 सरकार का पहला पूर्ण बजट है और इसे राजनीतिक रूप से कठिन संरचनात्मक सुधारों को लागू करने के लिए अपनी विशाल राजनीतिक पकड़ का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बजट का प्राथमिक उद्देश्य अर्थव्यवस्था को टिकाऊ बनाना तथा उच्च वृद्धि पथ पर लाना है। सुब्बाराव ने कहा, लेकिन केवल वृद्धि से काम नहीं चलेगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वृद्धि का लाभ व्यापक रूप से सभी तक पहुंचे यानी हमें असमानता कम करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत के निचले तबके की आधी आबादी का विशाल उपभोग आधार देश की वृद्धि का सबसे बड़ा चालक है। सुब्बाराव ने कहा कि निचले आधे हिस्से में उपभोग बढ़ाने का एकमात्र स्थायी तरीका रोजगार सृजन है।

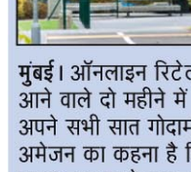

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ बाजार, निवेशकों ने 1 दिन में कमाए 2.73 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। के कारोबार की मिली जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में गिरावट आ गई लेकिन पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक ने रिकवरी करके हरे निशान में जगह बना ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान फार्मास्यूटिकल, आईटी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एफएमसीजी, पीएसई, रियल्टी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ऑयल एंड गैस और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.78 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.67 प्रतिशत की तेजी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने तीन लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 424.61 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 421.88 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 2.73 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,067 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,121 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,841 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 105 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,524 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,411 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,113 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 9.53 अंक की मामूली बढ़त के साथ 76,414.52 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से पहले 15 मिनट के कारोबार में ही ये सूचकांक 202.87 अंक की कमजोरी के साथ 76,202.12 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया और आक्रामक अंदाज में खरीदारी शुरू कर दी। बाजार में लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक निचले स्तर से 540 अंक उछल कर 338.55 अंक की मजबूती के साथ 76,743.54 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद बाजार में शुरू हुई मुनाफा वसूली की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 200 अंक से ज्यादा लुढ़क कर 115.39 अंक की तेजी के साथ 76,520.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

नोएडा प्लांट में भी बनेंगे गैलेक्सी एस25 सीरिज के स्मार्टफोनः सैमसंग

नई दिल्ली। साउथ कोरिया की इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज कंपनी सैमसंग ने अपने नवीनतम फ्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी एस 25 सीरीज लॉन्च की है। अमेरिका के सैन जोस में आयोजित इवेंट में इस सीरीज की घोषणा की गई और इसमें गैलेक्स एस25 अल्ट्रा, एस25+ और एस25 मॉडल शामिल हैं। यह स्मार्टफोन भारत के नोएडा स्थित सैमसंग प्लांट में भी बनाया जाएगा। गैलेक्सी एस25 सीरीज की कीमत 800 डॉलर (करीब 66,000 रुपये) से शुरू होकर अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट में प्रस्तुत हो रही है। इस लॉन्च से सैमसंग ने भारतीय बाजार में अपनी पकड़ जमाने का मिशन तय किया है। सीरीज को विकसित करने में सैमसंग के बेंगलुरु स्थित रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर ने सहयोग किया है। इस सेंटर ने एआई क्षमताओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और इसे साउथ कोरिया के बाहर कंपनी का सबसे बड़ा आरएंडडी सेंटर बना दिया है। सैमसंग की उम्मीद है कि इस नई सीरीज स्मार्टफोन बाजार में एक नया दौर खोलेगा और स्मार्टफोन कंपनियों के बीच मुकाबला औरत बढ़ाएगा। यह सीरीज फिचर्स में कस्टमाइज्ड स्नैपड्रैगन 8 एलीट मोबाइल प्लेटफॉर्म फॉर गैलेक्सी को समेत लेकर आता है, जो एआइ फीचर्स के लिए बेहतर प्रोसेसिंग परफार्मेंस प्रदान करता है। इस सुपर-प्रीमियम स्मार्टफोन सीरीज की ग्लॉबल लॉन्चिंग ने उम्मीदों को उच्च कीमत, तकनीकी नवाचार और शानदार डिजाइन की उम्मीद दी है। सैमसंग की गैलेक्सी एस25 सीरीज एक नया मील का पत्थर बन सकती है।

ईवी में भरोसा बढ़ाने मारुति किराये पर देगी पेट्रोल कार

मुंबई

मारुति सुजूकी ने अपनी इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा को बाजार में उतारने से पहले चार्जिंग व्यवस्था और सर्विस नेटवर्क का व्यापक विस्तार करने का ऐलान किया है। यह कार 500 किलोमीटर तक चलने का क्षमता होगी और 2,700 मिलीमीटर लंबे व्हीलबेस के साथ आएगी। इसके साथ ही कंपनी पुराने जमाने की सोच को तोड़कर ग्राहकों को सुविधा प्रदान करने के लिए कई नई योजनाएं लेकर आ रही है। इसमें एक हाइब्रिड कार किराए पर देने का प्रस्ताव भी शामिल है, जो ईवी ग्राहकों को लंबी या बहुत दूरी तक की यात्रा के लिए विकल्प प्रदान करेगी।

टॉप 100 शहरों में हर 5 से 10 किलोमीटर पर फास्ट चार्जिंग स्टेशनों की भी योजना

कंपनी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि ईवी सिलसिले में ग्राहकों को जितनी सुविधाएं मिल सकती हैं, उतनी ही सरल और आसानी से मिलनी चाहिए। उन्होंने उज्जवल भविष्य की कल्पना करते हुए कहा कि हम ईवी को खरीदने वाले ग्राहकों को पहली कार के रूप में महसूस कराना चाहते हैं। इस निर्धारित राह को आगे बढ़ाते हुए मारुति सुजूकी ने विभिन्न शहरों में 1,000 सर्विस वर्कशॉप को ईवी कारों के लिए तैयार करने का भी ऐलान किया है।

कंपनी ने टॉप 100 शहरों में हर 5 से 10 किलोमीटर पर फास्ट चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना करने की भी योजना बनाई है। इन सब उपायों से मारुति सुजूकी का उद्देश्य है ग्राहकों को सुरक्षित और सुखद ईवी यात्रा का अनुभव करवाना, ताकि उन्हें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी होने की भावना में एक उत्कृष्ट माध्यम मिले। कंपनी ने जो दिशा में कदम बढ़ाया है, यह स्पष्ट दर्शाता है कि भावनात्मक सहयोग और आधुनिक तकनीक का सही संयोजन हमें समृद्धि की ओर ले जा सकता है।

पेट्रोल और डीजल महंगा तो कहीं हुआ सस्ता

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर 80 डॉलर के आसपास पर देखी जा रही है और इसका असर देश के खुदरा बाजार पर भी दिखा। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल और डीजल के खुदरा भाव में गुरुवार को कहीं गिरावट दिख रही तो कहीं महंगा हो गया है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के शहर और हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में गुरुवार को पेट्रोल 18 पैसे सस्ता होकर 94.99 रुपये लीटर बिक रहा है, डीजल भी 18 पैसे गिरा और 87.84 रुपये लीटर पहुंच गया है। पूर्वोत्तर के राज्य नगालैंड की राजधानी कोहिमा में भी पेट्रोल 45 पैसे सस्ता होकर 97.26 रुपये लीटर तो डीजल 24 पैसे गिरकर 88.59 रुपये लीटर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से लगातार तीसरे दिन पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान भी तेजी बनी रही। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई बिकवाली के कारण मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

टेक शेरों में हुई खरीदारी के कारण वॉल स्ट्रीट में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,086.36 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 258.76 अंक यानी 1.31 प्रतिशत उछल कर 20,015.54 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

नैस्डेक 26 दिसंबर के बाद पहली बार 20 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल हुआ है। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.02 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 44,166.75 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार मजबूती बनी रही। हालांकि आखिरी दौर में हुई मुनाफा वसूली की वजह से एफटीएसई इंडेक्स लाल निशान में गिर कर बंद हुआ। ये सूचकांक पूरे दिन के कारोबार के बाद 0.04 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 8,545.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.85 प्रतिशत की छलांग लगा कर 7,837.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

लैंडमार्क इमीग्रेशन की स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री, लिस्टिंग के बाद अपर सर्किट पर पहुंचे शेयर

नई दिल्ली

कंसल्टेंसी सर्विस देने वाली कंपनी लैंडमार्क इमीग्रेशन कंसल्टेंट्स के शेयर ने मामूली बढ़त के साथ स्टॉक मार्केट में एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 72 रुपये के भाव पर जारी हुए थे। बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 4.17 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 75 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने इसमें रुचि दिखाई, जिससे थोड़ी ही देर में ये शेयर 78.75 के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 9.38 प्रतिशत का फायदा हो गया है।

लैंडमार्क इमीग्रेशन का 40.32 करोड़ रुपये का आईपीओ 16 से 20 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 72.84 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 35.58 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 116.71 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 81.87 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 56 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने नए ब्रांच का सेटअप करने, ब्रांडिंग करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 3.94 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 4.43 करोड़ और 2023-24 में 11.12 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 38 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 37.07 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 5.40 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

ड्राई फ्रूट्स व्यापारियों की मांग, जीएसटी घटाकर 5 फीसदी किया जाए

नई दिल्ली। देश के ड्राई फ्रूट्स व्यापारियों की इकाई नट्स एंड ड्राई फ्रूट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (एनडीएफसी) ने सरकार से कई महत्वपूर्ण अनुरोध किए। एनडीएफसी ने अखरोट के आयात शुल्क को प्रति किलोग्राम के आधार पर युक्तिसंगत बनाने, जीएसटी को घटाकर पांच प्रतिशत करने और इस क्षेत्र के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना शुरू करने की मांग की है। काउंसिल के अनुसार भारत का मेवे का बाजार 18 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर से बढ़ रहा है और यह 2029 तक 12 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

सूरमा हॉकी क्लब महिला हॉकी इंडिया लीग फाइनल से एक कदम दूर

रांची

जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग 2024-25 के फाइनल में पहुंचने से एक कदम दूर है।

फाइनल में पहुंचने के लिए सूरमा हॉकी क्लब को शुक्रवार को रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के खिलाफ कम से कम एक अंक हासिल करना होगा। मैच से पहले हेड कोच जूड मेनेजेस ने एक बयान में कहा कि इस पूरे अभियान में हमारा दृष्टिकोण यह रहा है कि हम हर मैच जीतना चाहते हैं। इसलिए, हम अभी सिर्फ श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के खिलाफ होने वाले मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह इस समय हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण मैच है, इसलिए हम एक-एक कदम आगे बढ़ रहे हैं और उस मैच के बाद हम आगे देखेंगे कि हमें क्या करना है। हमें अभी भी अगले मैच में अच्छा करना है।

सूरमा हॉकी क्लब लीग में शानदार प्रदर्शन कर रही है। पूल चरण के आखिरी मैच से पहले तीन जीत के साथ वे तालिका में शीर्ष पर हैं और 10 अंक जुटा चुके हैं। पिछली बार जब सूरमा ने टाइगर्स का सामना किया था, तो उन्होंने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अपने अभियान के पहले मैच में 4-1 से शानदार जीत दर्ज की थी।

हेड कोच ने कहा कि मुझे लगता है कि एक बार फिर हमारा प्रयास शूटिंग सर्कल में कुछ परिणाम प्राप्त करने का होगा। गोल करने का प्रयास करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि हम एक स्वतंत्र और आक्रामक शैली में खेल रहे हैं जो वास्तव में हमारे खेलने के तरीके के अनुकूल है।

न्यूज ब्रीफ

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप : तृषा की पारी से भारतीय टीम ने श्रीलंका को 60 रनों से हराया

क्वालालंपुर। गोंगाडी तृषा की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अंडर-19 टी20 विश्व कप मुकाबले में श्रीलंका को 60 रनों से हराया है। भारतीय टीम की ओर से गोंगाडी तृषा ने सबसे अधिक 49 रन बनाए। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 118 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा का पीछा करते हुए श्रीलंकाई महलाएं 58 रन ही बना पायीं। भारतीय टीम की ओर से शबनम ने 4 ओवरों में 9 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा परुनिका और जोशिथा ने भी 2-2 विकेट लिए। इस मैच में भारतीय पारी की शुरुआत तृषा और कमलिनी ने की। कमलिनी केवल 5 रन ही बना पायी। वहीं तृषा ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 5 चौकों और एक छक्के की सहायता से 49 रन बनाए। वहीं कप्तान निकी प्रसाद ने 11 रन बनाये। मिथिला विनोद ने 16 रन बनाये जबकि जोशिथा ने 14 रन बनाए। तृषा के अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रनों तक भी नहीं पहुंच पाई। श्रीलंका के लिए लिमांसा तिलकरत्ने और प्रमुदी मेथासारा ने 2-2 विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई सलामी बल्लेबाज संजना 5 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयीं। निसंसला शून्य पर ही आउट हुई। कप्तान मनुडी ननयकारा ने 2 रन बनाये। हिरुनी हंसिका भी 2 रन ही बना पायीं। कुल मिलाकर देखा जाये तो मैच में भारतीय गेंदबाज हावी रहीं। ग्रुप ए में भारतीय टीम लगातार तीन मैच जीतकर शीर्ष पर रही और उसने सुपर 6 लीग स्टेज में जीत से क्वालिफाई किया। दूसरी ओर श्रीलंका इस टूर्नामेंट में पहला मैच हारी। ये टीम भी सुपर सिक्स में पहुंच गई है।

क्लार्क ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के हॉल ऑफ फेम में शामिल

सिडनी। पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को यहां ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया हैं।

क्लार्क यह सम्मान हासिल करने वाले 64वें क्रिकेटर हैं। कप्तान के तौर पर क्लार्क का 12 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने 115 टेस्ट, 245 एकदिवसीय और 34 टी20 मैचों में 17,000 से अधिक रन बनाए हैं। कप्तान के तौर पर क्लार्क ने 47 टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करते हुए अपनी टीम को साल 2013-14 में एशेज में 5-0 से जीत दिलायी थी। इसके अलावा उनके नेतृत्व में भी ऑस्ट्रेलिया ने 2015 में घरेलू मैदान पर एकदिवसीय विश्व कप जीता था। क्लार्क ने अपने करियर में 28 टेस्ट शतक लगाये हैं। उन्होंने भारतीय टीम के खिलाफ सिडनी क्रिकेट मैदान में 329 रन की शानदार पारी खेली थी। ये किसी ऑस्ट्रेलियाई द्वारा बनाया गया छठा सबसे बड़ा शतक था। क्लार्क ने कहा, हाल ऑफ फेम में इतने सारे शानदार खिलाड़ियों, आदर्शों, रोल मॉडल के साथ बैठना और बचपन में उनसे प्रेरणा लेना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। रिटायरमेंट आपके लिए बहुत कुछ करता है। आजकल क्रिकेट देखने के दौरान आप कुछ हिस्सों को मिस करते हैं। जब आप उच्चतम स्तर पर खेलते हैं, तो लोग आपके अंतरराष्ट्रीय करियर के बारे में बात करते हैं, लेकिन मेरे लिए यह छह साल की उम्र में शुरू हुआ। मैंने 34 साल की उम्र में रिटायरमेंट ले लिया था, इसलिए यह मेरी जिंदगी थी।

चैम्पियंस ट्रॉफी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार हैं सभी खिलाड़ी : हार्दिक पंड्या

दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी को लेकर उत्साहित हैं।

हार्दिक ने अन्य क्रिकेटरों मोहम्मद नबी, फिल साल्ट, शादाब खान और शाहीन शाह अफरीदी के साथ टूर्नामेंट के एक प्रमोशनल एड में कहा कि खिलाड़ी इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने तैयार हैं। हार्दिक ने कहा कि भारतीय टीम इस टर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर जीत दर्ज करने उतरेगी। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले माह पाकिस्तान में किया जाएगा हालांकि भारतयी टीम अपने मुकाबले हाइब्रिड मॉडल के तहत ही दुबई में खेलेगी। भारतीय टीम ने साल 2013 में इंग्लैंड में आयोजित इस टूर्नामेंट को जीता था जबकि 2002 में वह मेजबान श्रीलंका के साथ संयुक्त विजेता रही थी। हार्दिक ने कहा कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी की वापसी से क्रिकेट को काफी बढ़ावा मिलेगा। यह एकदिवसीय प्रारूप को और प्रासंगिक बनाता है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से प्रशंसकों और खिलाड़ियों में खेल को लेकर उत्साह आता है।

एकदिवसीय के महान खिलाड़ी हैं विराट कोहली : सौरव गांगुली

जून में इंग्लैंड दौरा बड़ी चुनौती होगा

कोलकाता

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने खराब फार्म के गुजर रहे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके जैसे खिलाड़ी जीवन में एक बार ही मिलता है। गांगुली ने विराट की तुलना दिग्गज महिला क्रिकेटरों मिताली राज और झूलन गोस्वामी से की है। गांगुली ने कहा कि विराट एकदिवसीय प्रारुप में अब तक के सबसे बेहतर क्रिकेटरों में से एक हैं। साथ ही कहा कि कोहली में अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है लेकिन उन्होंने अगाह किया कि जून का इंग्लैंड दौरा उनके लिए एक बड़ी चुनौती होगी। गांगुली ने कहा कि मुझे अब भी विश्वास है कि विराट कोहली में बहुत क्रिकेट बाकी है। इंग्लैंड दौरा उनके लिए बड़ी चुनौती होगा।

उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि विराट जैसे खिलाड़ी जीवन में एक बार ही मिलता है। करियर में 80 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाना अविश्वसनीय बात है। मेरे लिए, वह संभवत: दुनिया का सबसे महान सफेद गेंद वाला खिलाड़ी है। कोहली के नाम एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक 50 शतक हैं जबकि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम भी इतने शतक नहीं हैं। सचिन के नाम 49 शतक हैं। विराट एकदिवसीय और टी20ई क्रिकेट इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

वहीं ऑस्ट्रेलिया में कोहली के खराब प्रदर्शन से गांगुली हैरान हैं। उन्होंने कहा कि पर्थ में शतक लगाने के बाद उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे मैं परेशान था। इससे पहले उन्होंने यहां संघर्ष किया था पर पर्थ में शतक के बाद, मैंने सोचा था कि यह उनके लिए एक बड़ी सीरीज होगी पर ऐसा नहीं हुआ। विश्व के हर खिलाड़ी की अपनी कमजोरियां और ताकत होती हैं। गांगुली ने कहा कि दुनिया में ऐसा कोई खिलाड़ी नहीं है जिसके पास यह नहीं होगा। यह इस चीज के बारे में हैं कि आप समय के साथ महान गेंदबाजों को खेलते हुए अपनी कमजोरियों को कैसे अनुकूलित करते हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों में एक बार फिर कुश्ती को शामिल किया जाएगा : एरिका

विजयनगर। पूर्व ओलंपिक चैंपियन कनाडा की एरिका वीब ने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों से कुश्ती को बाहर किये जाने को दुखद बताया है। ओलंपिक स्वर्ण विजेता पहलवान एरिका को उम्मीद है कि अगले सत्र में कुश्ती को बार फिर शामिल किया जाएगा। एरिका ने 2016 रियो ओलंपिक की महिला 75 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में कजाखस्तान की गुजेल मेन्युरोवा को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। एरिका ने इंटरव्यू में कहा, 'ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों का फैसला बहुत निराशाजनक हैं। उन्होंने खेलों के लिए एक बहुत ही अलग मॉडल अपनाया। उनके पास केवल 10 खेल हैं। यह बेहद निराशाजनक बात है। मैं वास्तव में चाहती थी कि वे मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल करते। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कुश्ती तक लोगों की अधिक पहुंच है। मुझे लगता है कि महासंघ बेहतर स्थिति में है। मुझे लगता है कि यह राष्ट्रमंडल में भारत और नाइजीरिया की मौजूदगी में कुश्ती के खेल में शानदार खिलाड़ियों के रूप में अपनी विविधतापूर्ण ताकत दिखाने का एक अवसर है। कनाडा की इस पहलवान ने कहा, 'इसलिए, हां, यह निराशाजनक है। मुझे लगता है कि हालत बदलेंगे। हम नहीं जानते कि भविष्य में क्या होने वाला है और इसलिए मुझे उम्मीद है कि शायद 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों में हम कुश्ती की वापसी देखेंगे। बुडापेस्ट 2018 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता एरिका ने ओलंपिक पदक विजेता भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया की प्रशंसा की और कहा कि भारत में महिला कुश्ती में शानदार आदर्श मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत से भारतीय खिलाड़ियों, खासकर पहलवानों की सराहना करती हूं।

रणजी ट्रॉफी में भी नहीं चला रोहित का बल्ला, जायसवाल और रहाणे भी फ्लॉप

मुंबई

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा का बल्ले से संघर्ष जारी है। गुरुवार को जम्मू एंड कश्मीर के खिलाफ अपनी घरेलू टीम मुम्बई की तरफ से खेलते हुए रणजी ट्रॉफी मैच में वह सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हो गए। मुम्बई के शरद पवार क्रिकेट एकेडमी बीकेसी में जम्मू एंड कश्मीर के खिलाफ खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी मैच के पहले दिन रोहित ने 19 गेंदों का सामना किया और मात्र 3 रन ही बना सके। उन्हें तेज गेंदबाज उमर नजीर मीर ने आउट किया। इस तरह से उनके निराशाजनक प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। रोहित ने मुंबई के लिए आखिरी बार रणजी ट्रॉफी मैच नवंबर 2015 में खेला था। तब उन्होंने उत्तर प्रदेश के खिलाफ 140 गेंदों पर 113 रनों की पारी खेली थी। यह मैच ड्रॉ रहा था।

दरअसल, रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट में खराब फॉर्म के बाद घरेलू क्रिकेट में रणजी ट्रॉफी मुकाबला खेलने उतरे थे। रोहित के अलावा कई स्टार खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण में अपनी-अपनी घरेलू टीम के लिए खेल रहे हैं। रोहित अपनी घरेलू टीम मुंबई का हिस्सा हैं और जम्मू एंड कश्मीर के खिलाफ मैच में खेल रहे हैं। हालांकि, रोहित पहली पारी में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। रोहित ने सिंगल डिजिट स्कोर बनाया और 19 गेंदों में 3 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। रोहित शर्मा के अलावा इस मैच की पहली पारी में यशस्वी जायसवाल (4) और मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे (12) भी कुछ खास नहीं कर पाए। श्रेयस अय्यर भी 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

मुंबई ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था लेकिन जम्मू एंड कश्मीर के गेंदबाजों ने इस फैसले को गलत साबित कर दिया है। मुंबई की टीम पहली पारी में 33.2 ओवर में 120 रन पर ही ढेर हो गई। रोहित शर्मा 3 रन, यशस्वी जायसवाल 4 रन, हार्दिक तमोरे 7 रन, कप्तान अजिंक्य रहाणे 12 रन, श्रेयस अय्यर 11 रन , तनुश कोटियन 26 रन, शार्दुल ठाकुर 51 रन, शिवम दूबे, मोहित अवस्थी और शम्स मुलानी खाता भी नहीं खोल सके। जम्मू एंड कश्मीर के लिए उमर नजीर ने 4 विकेट, युद्धवीर सिंह चरक 4 विकेट और आकिब नबी डार ने दो विकेट लिए।

यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल

पेरिस में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में पेरिस सेंट जर्मेन और मैनचेस्टर सिटी के खिलाड़ी खेलते हुए।

शारजाह वॉरियर्स ने एडम जम्पा को आईएलटी 20 सीजन 3 के लिए अपने साथ जोड़ा

शारजाह

इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) फ्रेंचाइजी शारजाह वॉरियर्स ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एडम जम्पा को अपने साथ जोड़ा है। फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

फ्रेंचाइजी ने बताया कि शारजाह वॉरियर्स को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एडम जम्पा के साथ अनुबंध की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के सीजन 3 के शेष भाग के लिए श्रीलंकाई विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की जगह लेंगे। स्पिनर जम्पा को टी20 क्रिकेट और फ्रेंचाइजी लीगों में खेलने का काफी अनुभव है। वह ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग, भारत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल), कैरेबियन प्रीमियर लीग, ब्रिटेन में द हंड्रेड

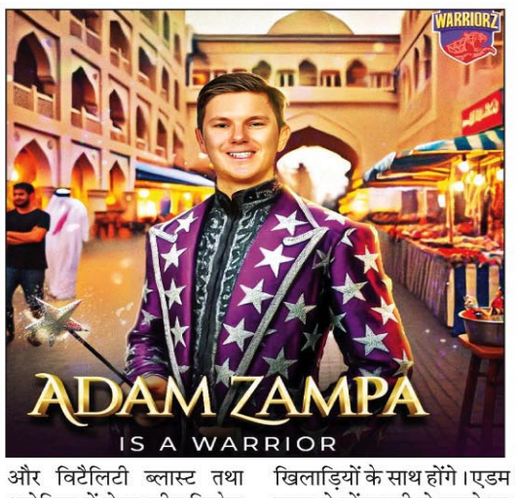

और विटैलिटी ब्लास्ट तथा अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट में खेल चुके हैं। शारजाह वॉरियर्स टीम में जाम्पा गेंदबाजी इकाई में आदिल राशिद, हरमीत सिंह, मोहम्मद जवादुल्लाह, कप्तान टिम साउथी और एडम मिल्ने जैसे खिलाड़ियों के साथ होंगे। एडम जम्पा ने फ्रेंचाइजी से जुड़ने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि मैं यूएई लौटकर और डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के सीजन 3 के लिए शारजाह वॉरियर्स में शामिल होकर बहुत खुश हूं। वॉरियर्स टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ फ्रेंचाइजी में से एक है और मैं आदिल राशिद, टिम साउथी और जेपी डुमिनी जैसे दिग्गजों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि हम एक टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और टूर्नामेंट के दूसरे भाग में अपने प्रशंसकों के लिए कुछ शानदार प्रदर्शन करेंगे। शारजाह वॉरियर्स के कोच जेपी डुमिनी ने कहा कि एडम जम्पा एक शानदार गेंदबाज हैं और एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें हर टीम अपने साथ रखना चाहेगी। हम उन्हें अपनी टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं और हमें विश्वास है कि इस सीजन में हमारी प्रगति के लिए वे बहुत महत्वपूर्ण होंगे। वे इस प्रारूप के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में से एक हैं और हमें पूरा भरोसा है कि वे यूएई में शारजाह वॉरियर्स के लिए एक ठोस प्रभाव डाल सकते हैं।

मुंबई सिटी एफसी ने स्पेनिश फुटबॉलर जॉर्ज ऑर्टिज के साथ किया करार

मुंबई

फुटबॉल क्लब मुंबई सिटी एफसी ने स्पेनिश फुटबॉलरजॉर्ज ऑर्टिज के साथ करार किया है। क्लब ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। क्लब ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि मुंबई सिटी एफसी को स्पेनिश अटैकर जॉर्ज ऑर्टिज के साथ अनुबंध की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। ऑर्टिज 2025-2026 सीजन तक आइलैंडर्स से जुड़े रहेंगे और अपने अनुभव और गुणवत्ता को टीम में लाने की कोशिश करेंगे।

क्लब ने आगे लिखा कि ऑर्टिज ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में 36 मैच खेले हैं, जिसमें 14 गोल और 8 असिस्ट शामिल हैं। मौजूदा आईएसएलसीजन के अहम मोड़ पर उनके शामिल होने से आइलैंडर्स की टीम मजबूत होगी। अपनी आक्रामक मानसिकता और बहुमुखी प्रतिभा के लिए मशहूर ऑर्टिज टीम में आसानी से फिट होने, अहम भूमिका निभाने और महत्वपूर्ण कमियों को पूरा करने की कोशिश करेंगे। इस करार के साथ, आइलैंडर्स इस सीजन को मजबूती से खत्म करना चाहते हैं।

मुंबई सिटी एफसी से जुड़ने पर जॉर्ज ऑर्टिजने कहा कि मैं इंडियन सुपर लीग में वापस आकर, मुंबई सिटी एफसी जैसे रोमांचक क्लब में शामिल होकर और सिटी फुटबॉल ग्रुप में अपना सफर जारी रखने के लिए उत्साहित हूं। क्लब और ग्रुप दोनों ने बहुत ऊंचे मानक स्थापित किए हैं। मुंबई शहर और मुंबई सिटी एफसी का माहौल बेजोड़ है और मैं अपने नए साथियों, प्रशंसकों के साथ शुरुआत करने और उनकी सफलता में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं।

मुंबई सिटी एफसी के मुख्य कोच पेट्र क्रैटकी ने कहा कि हम मुंबई सिटी एफसी में ऑर्टिज का स्वागत करते हुए रोमांचित हैं। वह आईएसएल में उच्च क्षमता वाले अटैकर हैं और उन्हें उच्च स्तर पर खेलने का अनुभव है। हम हमेशा बेहतर होने का प्रयास करते हैं और मैदान पर अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के तरीके खोजते हैं। इस लिहाज से, ऑर्टिज इस सीजन में हमारी टीम को मजबूती देंगे। हम उनके शामिल होने से उत्साहित हैं और उम्मीद करते हैं कि हम बाकी सीजन में भी सफलता हासिल करेंगे।

स्वास्थ्य

मेकअप करने की जरूरत नहीं अब डीटॉक्स कर पाएं दमकती त्वचा

आपने बीते त्यौहारों के मौसम में खूब धमा-चौकड़ी की होगी. देर रात तक जागे भी होंगे. खूबसूरत मेकअप भी किया होगा और ढेर सारी मिठाइयों का आनंद उठाया भी होगा. लेकिन अब आने वाले शादी के सीजन में भी आपको खूबसूरत दिखना है.

इसलिए अब आपके शरीर और त्वचा को थोड़ा ब्रेक चाहिए, वरना आपकी त्वचा मुरझाई हुई और बेजान नजर आएगी. यहां हम आपकी त्वचा को डीटॉक्स कर दमकती हुई त्वचा पाने का आसान-सा नुस्खा बता रहे हैं.

ज्यादा सक्रिय रहें

तेज वॉक करना, स्विमिंग, योग या कार्डियो जैसे एक्सरसाइज करें. ये आपके डाइजेस्टिव सिस्टम को सक्रिय करते हैं और टॉक्सिन्स को शरीर से बाहर निकालने में मदद करते हैं. एक्सरसाइज से शरीर से ऐन्डॉर्फिन्स रिलीज होते हैं, जो ऊर्जा लाते हैं.

अपने पेट को डीटॉक्स करें

शरीर से टॉक्सिन्स निकलने के बाद आपकी त्वचा अपने आप अंदर से दमकने लगेगी. कॉफी के बजाय गरमा-गरम ग्रीन टी चुनें. चाहें तो उसमें अदरक या नींबू मिलाएं, ताकि फैट जल्दी नष्ट हो सके और शरीर में मौजूद पानी की अतिरिक्त मात्रा को निकाला जा सकें. अपने दिन की शुरूआत गर्म पानी में नींबू मिलाकर करें, इससे आपका पेट साफ हो जाएगा. जिससे त्वचा सूजी और थकी हुई नहीं नजर आएगी.

मास्क लगाएं

मेकअप और स्टाइलिंग से आपकी त्वचा थोड़ा ब्रेक मांगती है. क्ले मास्क से अपनी त्वचा को ठंडक पहुंचाएं. मास्क आपकी त्वचा से अतिरिक्त ऑयल को अवशोषित करता है और टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है. अपने चेहरे पर शहद लगाएं और मुलायम कपड़े से चेहरे को ढंक लें. शहद आपकी त्वचा को पोषित करेगा और त्वचा की थकान को दूर करेगा.

स्क्रब करें

सौम्य स्क्रब से चेहरे को एक्सफॉलिएट करें, ताकि मृत कोशिकाओं से छुटकारा मिल सके और रक्त का प्रवाह भी बढ़ सके. एक्सफॉलिएट करने से आपकी त्वचा गहराई से साफ हो जाएगी. दमकती हुई त्वचा पाने के लिए ऑर्गेनिक कॉफी पाउडर में थोड़ा पानी मिलाकर स्क्रब करें.

स्पा करवाएं

डीप टिशू मसाज या लिम्फैटिक मसाज न केवल आपके शरीर को रिलैक्स करेगा, बल्कि आपके शरीर से टॉक्सिन्स को निकालने में मदद करेगा. यह ऐलर्जीस को कम करने में मदद करता है.

हाइड्रेट करना बहुत जरूरी

बहुत ज्यादा तला-भुना और मीठा खाने से आपकी त्वचा रूखी और बेजान नजर आ सकती है. शहद, एलोवेरा और गुलाब जल जैसे नैसर्गिक इन्ग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल कर अपनी त्वचा को मॉइस्चराइज और टोन करें. इनमें से कोई भी इन्ग्रीडिएंट अपनी त्वचा पर लगाएं और 20 मिनट बाद चेहरा धो लें.

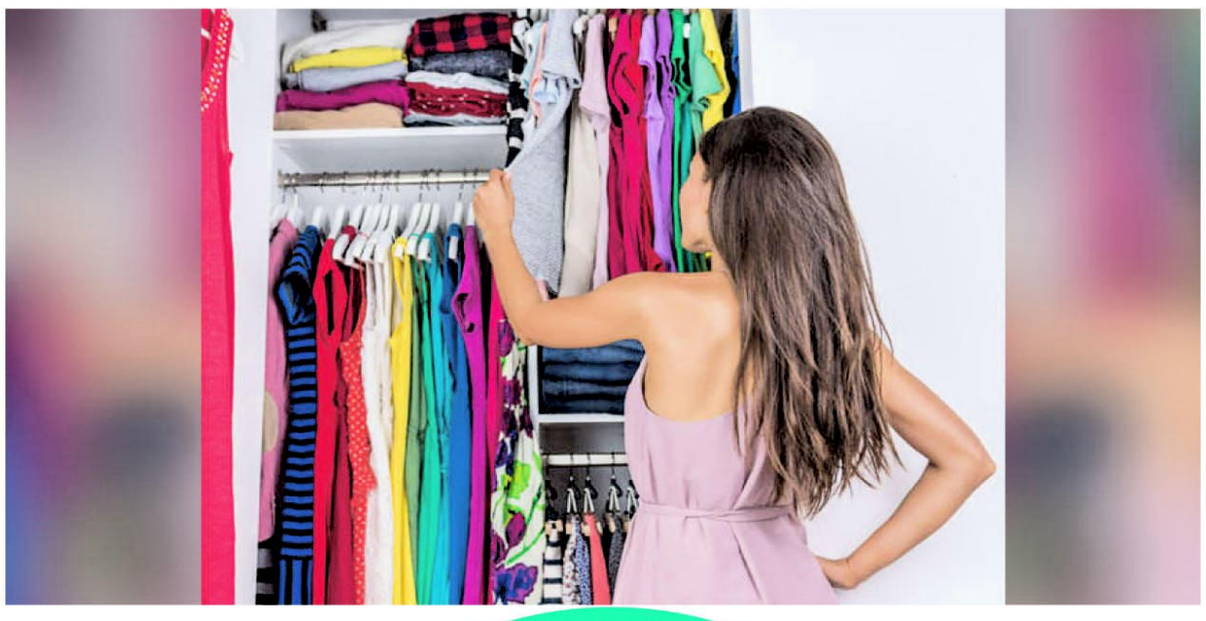

वॉर्डरोब में रखे कलरफुल कपड़ों का कुछ इस तरह कीजिए उपयोग

अमूमन देखने में ऐसा आया है कि वॉर्डरोब में कपड़े तो बहुत होते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर कुछ समझ नहीं आता है कि क्या पहनें और क्या नहीं. इसके चलते हर छोटे-बड़े मौकों के लिए आपको नए कप? खरीदने पड़ते हैं और आपके वॉर्डरोब में कपड़े भरते जाते हैं. ऐसे में आप कुछ नया कर सकते हैं.

क्वालिटी और कलर पर दें ध्यान

बाजार में आपको कई कपड़े पसंद आ जाते हैं, जिसको खरीदे बिना दिल नहीं मानता. आमतौर पर ऐसा होता है कि आप एक ही कलर के ऐसे कपड़े खरीद लाते हैं, जो आपको बाजार में तो अच्छे लगते हैं, लेकिन घर आकर आपको समझ आता है कि उनका कोई यूज ही नहीं है. इसलिए बाजार में हमेशा ध्यान रखें कि आपको किस चीज की सबसे ज्यादा जरूरत है और कौन से कलर के कपड़े आप इससे पहले खरीद चुकीं हैं.

हटाने की जगह नए तरीके का करें इस्तेमाल

पुराने कपड़ों को थोड़ा बहुत कांट-छांट कर उन्हें नए तरीके से पहन सकते हैं. कुछ कपड़ों की मैचिंग बदलकर भी उन्हें पहना जा सकता है. गर्ल्स चाहें तो पुराने जींस को कट करके डेली यूज के लिए शॉर्टस बना सकतीं हैं. अगर आपको सिलाई आती है, तो और भी अच्छी बात है. पुराने कपड़ों को नई तरह से डिजाइन कर के पहन सकतीं हैं.

पुरानी और बेकार चाबियों से दें, घर को डिफरेंट और यूनिक लुक

घरों में मौजूद तालों में जंग लग जाने या फिर ताले खराब हो जाने के कारण आप उन्हें फेंक देते है. इससे घर में चाबियों का ढेर लग जाता है. ऐसे में आप या तो उसे फेंक देते है या फिर रद्दी में बेच देते है लेकिन इसकी बजाए आप चाबियों का इस्तेमाल घर की सजावट के लिए कर सकते है.

1. वॉल डेकोरेशन: किसी भी चीज की ड्राइंग दीवार पर करके उसके बीच में चाबियों को ग्लू की मदद से चिपका दें.इससे आपके घर की दीवारों को डिफरेंट स्टाइल का आर्ट पीस मिल जाएगा.

2. की होल्डर: पुरानी चाबीयों को लकड़ी के बोर्ड पर लगाकर कुंडी की तरह हल्का सा ऊपर की ओर मोड़ दें. इसे आप की होल्डर की तरह इस्तेमाल कर सकते है। इसके अलावा पुरानी चाबियों का इस्तेमाल आप घड़ी को नया रुप देने के लिए भी कर सकते है.

3. फोटो फ्रेम: पुराने फोटो फेम के किनारों पर पुरानी चाबियों को ग्लू से चिपका कर आप उसे नया रुप दे सकते है. इसके अलावा अपनी पुरानी चाबीयो को आप यादगार के तौर पर फेम करवा कर भी रख सकते है.

4. पेंडेट :पुरानी चाबियों का इस्तेमाल आप पेंडेट या कीरिंग बनाने के लिए कर सकती है. इससे आपके पैसे भी बच जाएगें और चाबिया भी इस्तेमाल हो जाएगी.

5. हैंगिंग आर्ट पीस: इसके इस्तेमाल से आप डिफरेंट हैंगिंग आर्ट पीस बना सकती है. इसे आप घर के दरवाजे, गार्डन या घर के अंदर डेकोरेट कर सकती है.

आहार

हेल्थ और ब्यूटी के लिए फायदेमंद है 'अमरूद'

सर्दी के मौसम में अमरूद बाजार में खूब मिलता है. हम सभी ने लाल रसीले अमरूद नमक और चाट मसाला डालकर खाए होंगे. अमरूद के जैम और जेली भी एंजॉय किए होंगे.

लेकिन, क्या आप जानते हैं यह अमरूद आपकी हेल्थ और ब्यूटी के लिए भी बहुत फायदेमंद फल है? विटामिन सी, लायकोपीन और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर अमरूद में कई दूसरे विटामिन और मिनरल्स भी होते हैं जो आपकी बॉडी को न्यूट्रिएंट्स अब्जॉर्ब करने में मदद करते हैं. तो आइए आज हम आपको बताते हैं इसके क्या-क्या फायदे हैं...

डायबिटीज से बचाता है : अमरूद में रिच फाइबर कंटेंट और लो ग्लायसेमिक इंडेक्स होता है जो डायबिटीज से बचाता है. लो ग्लायसेमिक इंडेक्स अचानक शुगर लेवल बढ़ने से रोकता है, वहीं फाइबर्स के कारण शुगर अच्छे से रेग्युलेट होती रहती है.

इम्युनिटी बूस्टर : अमरूद विटामिन सी का सबसे अच्छा सोर्स है. अमरूद में संतरे से चार गुना ज्यादा विटामिन सी होता है, जो आपकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता यानि इम्युनिटी पावर बढ़ाता है. साथ ही कॉमन इंफेक्शंस और बीमारियों से बचाता है.

वजन कम करने में मददगार : अमरूद प्रोटीन, विटामिन और फाइबर इनटेक से समझौता किए बगैर आपका मेटाबॉलिजम बढ़ाता है और वजन घटाने में मदद करता है. अमरूद खाने के बाद पेट भी भर जाता है और कैलोरी इनटेक भी कम होता है. कच्चे अमरूद में केला, सेब, संतरा और अंगूर जैसे दूसरे फलों के मुकाबले काफी कम शुगर होती है.

आंखों की रोशनी बढ़ाता है : अमरूद में विटामिन ए होता है जिसके कारण यह आंखों की रोशनी के लिए बूस्टर का काम करता है. अमरूद खाने से न केवल आईसाइट बेहतर होती है, बल्कि यह आंखों में होने वाली मोतियाबिंद और मस्कुलर डिकंजेशन जैसी बीमारियों से भी बचाता है. दांत का दर्द दूर करती हैं अमरूद की पत्तियां अमरूद की पत्तियों में एंटी इंफ्लमेटरी और एंटी बैक्टीरियल क्वॉलिटी होती है जो दांतों का इंफेक्शन दूर करने और कीड़े मारने में काफी मददगार हैं. अमरूद की पत्तियां दांत दर्द के इलाज की बढ़िया घरेलू दवा हैं. इसकी पत्तियों के रस से दांत और दाढ़ की मालिश करने से काफी फायदा होता है.

बाल बनाए मजबूत : अमरूद और उसकी पत्तियों का रस बालों को मजबूत बनाने में सहायक होते हैं। इससे त्वचा भी अच्छी रहती है.

कब्ज दूर करता है : अमरूद दूसरे फलों की तुलना में डायटरी फाइबर का एक बढ़िया सोर्स है. यह आपकी डेली फाइबर जरूरतों का 12 फीसदी पूरा करता है. यही कारण है कि आपके डायजेशन के लिए यह किसी रामबाण दवा से कम नहीं है. अमरूद के बीज बढ़िया जुलाब का काम करते हैं और इनसे आंतों की सफाई हो जाती है.

वायरल को दूर करता है : दूसरे फलों की तुलना में अमरूद में काफी मात्रा में विटामिन सी और आयरन होता है. ये दोनों वायरल इंफेक्शन से बचाते हैं. कच्चे अमरूद का रस या फिर अमरूद की पत्तियों का काढ़ा फेफड़ों में मौजूद कफ को बाहर निकालता है.

दिमाग के लिए फायदेमंद : अमरूद में विटमिन बी 3 और बी 6 होता है, जिसके कारण ब्रेन में ब्लड सकुर्लेशन इम्प्रूव होता है. इससे याददाश्त बढ़ती है और नर्व्स रिलैक्स होती हैं.

एलर्जी दूर करे : अमरूद की पत्तियों का रस किसी भी तरह की एलर्जी दूर कर सकता है, इसमें एलर्जी अवरोधक गुण पाए जाते हैं.

शादी के पलों को खुशनुमा बनाने के लिए यहां करवाएं वेडिंग फोटोशूट

शादी हर किसी की जिंदगी का बेहद अनमोल पल होता है और इस पल को हर कोई जी भरकर एन्जॉय करने की कोशिश करता है. यूं तो शादी के पलों को खुशनुमा बनाने के लिए कई चीजें हैं. इन दिनों मॉडर्न कपल्स के बीच प्री वेडिंग फोटोशूट फेमस है. ऐसे में कहां ये फोटोशूट करवा सकते हैं ये हम बता रहे हैं.

राजस्थान

बात जब प्री वेडिंग फोटोशूट की हो रही है और राजस्थान का नाम ना लिया जाए ये तो मुमकिन ही नहीं है. यहां स्थित खूबसूरत हवेलियां, मीलों दूर तक फैला रेगिस्तान, मीनारें आदि आपके फोटो शूट को खूबसूरत बना देंगे. रेतीली वादियों के बीच रोमांटिक फोटोशूट आपकी शादी की यादों और एलबम में चार चांद लगा सकता है.

केरल

दक्षिण भारत का सबसे लोकप्रिय टूरिस्ट डेस्टिनेशन केरला सिर्फ हनीमून डेस्टिनेशन ही नहीं बल्कि प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए भी परफेक्ट जगह है. केरल के खूबसूरत बैकवाटर हाउस, नारियल के पे?, और समुद्री तट के किनारे आपका प्री- वेडिंग फोटोशूट कमाल लगेगा.

बेंगलुरु

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु आईटी हब के नाम से विख्यात है. यहां कई प्री वेडिंग लोकेशन हैं. जहां आप अपनी तस्वीरों को क्लिक करवा सकते हैं. साथ ही आप बेंगलुरु के आस-पास स्थित खूबसूरत जगहों की सैर कर वहां के खूबसूरत नजारों के बीच परफेक्ट फोटो क्लिक कर सकते हैं.

पंजाब

अगर आप एक संजीदा और रोमांटिक फोटोशूट कराना चाहते हैं, तो पंजाब से अच्छी कोई जगह नहीं है, सरसों के लहलाहते खेतों के बीच एकदम पंजाबी स्टाइल में फोटोशूट आपकी शादी की एलबम को और भी खूबसूरत बना देगा.

सर्दियों में स्किन एलर्जी से बचने के लिए आजमाएं ये 3 टिप्स

सर्दियों के मौसम में अचानक आए बदलाव के कारण सर्दी, जुकाम से परेशान होने वाले लोगों की लिस्ट बढ़ती जाती है. ऐसे में महिलाओं की संख्या ज्यादा होती है, इतना ही नहीं कुछ लोग स्किन पर चकत्ते से भी काफी परेशान हो जाते हैं.

मौसम में एलर्जी के मामले भी अधिक देखने को मिलते हैं. कुछ लोगों को सांस लेने की समस्या और शरीर में खुजली की समस्या का भी सामना करना पड़ता है.

एलर्जी को रोकने के लिए कुछ खास बातें

घर में धूल और गंदगी न रखें. इसे समय-समय पर साफ करते रहें, जो एलर्जी का कारण हैं. एलर्जी के कारण की पहचान के लिए खून की जांच करवाएं, यह खून की जांच कॉम्प्रिहेन्सिव एलर्जी टेस्ट कहलाती है. यह टेस्ट जरूर करवाएं.

धूल कणों से बचाव के लिए घर के अंदर हवा के प्रवाह में सुधार लाएं और रसोई घर, बाथरूम व कमरों को साफ-सुथरा रखें. घर की नियमित रूप से सफाई करें.

एलर्जी से पीड़ित लोग खुद को धूल और गंदगी से दूर रखें. दमा और गले की सूजन से पीड़ित लोगों को डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए. त्वचा की एलर्जी या चकत्ते से पीड़ित लोगों को भी डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए.

रेसिपी

काजू मटर

सामग्री

तेल: 1 टेबलस्पून * काजू: 60 ग्राम * गर्म दूध: 110 मि.ली * टमाटर: 25 ग्राम * अदरक: 1 टीस्पून * काजू पाउडर: 2 टेबलस्पून * तेल: 1 टेबलस्पून * जीरा: 1 टीस्पून * हींग: 1/4 टीस्पून * धनिया के सूखे पत्ते: 1 टीस्पून * लाल मिर्च: 1/4 टीस्पून * हल्दी: 1/4 टीस्पून * धनिया पाउडर: 1 टीस्पून * हरे मटर: 200 ग्राम * चीनी: 1 टेबलस्पून * नमक: 1 टीस्पून * पानी: 200 मि.ली * गर्म मसाला: 1/2 टीस्पून

विधि

एक पैन में तेल डालकर इसमें काजू को गोल्डन फाई कर लें और एक बाउल में गर्म दूध डालकर इसमें फाई किए काजू को 15 मिनट के लिए भिगो कर रखें। अब टमाटर,अदरक,काजू का पाउडर डालकर इसे मिक्सी में डालकर प्यूरी बना लें। इसके बाद एक पैन में तेल डालकर इसमें जीरा और हींग डाल कर भून लीजिए। इसमें अब धनिया पाउडर,लाल मिर्च और हरी मिर्च डालकर मिक्स कर लें और पहले से बना कर रखा हुआ पेस्ट डालकर 3-5 मिनट के लिए भूनें। इस भूने हुए मसाले में अब हल्दी, सूखा धनिया डालकर मिक्स कर लें। अब इसमें मटर, चीनी और नमक को मसाले में डालकर मिला लीजिए। जब मसाले में मटर अच्छी तरह से मिक्स हो जाए तब इसमें पानी डालकर 3-5 मिनट के लिए मध्यम आंच पर पकने दें। इसके बाद गर्म मसाला डालकर पहले से दूध में पहले से भिगो कर रखे हुए काजू डालें और 2 मिनट के लिए पकाएं। काजू मटर बनकर तैयार है, इसे सर्व करें।

आलू का हलवा

सामग्री

1 कप देसी घी
1 किलो उबले हुए आलू
1 1/2 कप चीनी
1 छोटा चम्मच इलायची पाउडर
8-10 बारीक कटे बादाम
8-10 बारीक कटा पिस्ता
10-12 किशमिश (पानी में भिगी हुई)

विधि

सबसे पहले एक कड़ाही में घी डालें और उसे गर्म करें। अब उबले हुए आलू को अच्छी तरह मैश कर लें और कड़ाही में डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। आलू को लगातार हिलाते रहें ताकि वह कड़ाही के साथ चिपक न जाए। इन्हें तब तक भूनें जब तक आलू का रंग हल्का ब्राउन न हो जाए। अब इसमें चीनी और इलायची पाउडर डालकर एक बार फिर अच्छी तरह मिक्स करें। हलवा जब घी छोड़ने लगे तो इसमें बादाम, पिस्ता और किशमिश डालकर मिक्स करें। आपका आलू का हलवा तैयार है। इसे गर्मा-गर्म सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**